# मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान

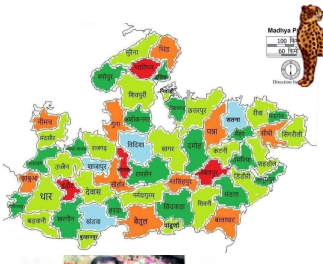

प्रमोद राणा सर

PRESENTED BY PRAMOD

## SYLLABUS (पाठ्यक्रम)

### 1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

- Unit -2 - मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य
- Unit -4 - मध्यप्रदेश का भूगोल
- Unit -5 – मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था
- Unit -6 - मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था
- Unit -8 – मध्यप्रदेश की समसामयिक घटनाएं
- Unit -10 - मध्यप्रदेश की जनजातियॉ – विरासत, लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य

### 2- MAINS (मुख्य परीक्षा)

- म.प्र. का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य एवं रियासतें (Paper-1, part-A, unit-2,4,5)
- मध्य प्रदेश का भूगोल (Paper-1, part-B, unit-5)
- मध्य प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था एवं प्रशासन (Paper-2, part-A, unit-4,5)
- मानव संसाधन विकास व सामाजिक कल्याण की योजनाएं (Paper-2, part-B, unit-5)
- मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था (Paper-3, part-A, unit-3,4)

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## EXAM का PATTERN (PRELIMS)

| Paper Name | Question | Marks | Time |
|---|---|---|---|
| Paper 1st (General Studies) | 100 | 200 | 2 Hours |
| Paper 2nd (Aptitude Test) | 100 | 200 | 2 Hours |
| **Total** | **200** | **400** | **04 Hours** |


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## 1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

**NEW SYLLABUS**

PRESENTED BY PRAMOD RANA
PRESENTED BY PRAMOD RANA

**Unit -2 - मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य** | **1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)**

## 2. मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आंदोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख कला एवं स्थापत्य कला।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं उनकी बोलियाँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख त्योहार, लोक संगीत, लोक कलाएँ एवं लोक–साहित्य।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश में विश्व धरोहर स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

**Unit -4 - मध्यप्रदेश का भूगोल** | **1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)**

## 4. मध्यप्रदेश का भूगोल

- वन, वनोपज, नदियाँ, पहाड़ियाँ और पठार।
- जलवायु– ऋतुएँ, तापमान, वर्षा।
- प्राकृतिक संसाधन– मिट्टियाँ, प्रमुख खनिज संसाधन।
- प्रमुख फसलें, जल संसाधन, सिंचाई और सिंचाई परियोजनाएँ।
- ऊर्जा के पारंपरिक और गैर–पारंपरिक स्रोत।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- जनसंख्या वृद्धि, वितरण एवं घनत्व, नगरीकरण।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

Unit -5 → मध्य प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था

1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

## 5. भारत एवं मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था

- संविधान सभा।
- संघीय कार्यपालिका, राष्ट्रपति एवं संसद।
- सर्वोच्च न्यायालय एवं न्यायिक व्यवस्था।
- संवैधानिक संशोधन।
- नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य एवं राज्य के नीति–निदेशक सिद्धांत।
- राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक संवैधानिक/सांविधिक आयोग एवं संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा, उच्च न्यायालय)।
- मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतीराज एवं नगरीय प्रशासन व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश में सुशासन (अभिशासन व्यवस्था)।



Unit -6 → मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था

1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

## 6. भारत एवं मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था

- भारतीय अर्थव्यवस्था में मध्यप्रदेश की वर्तमान स्थिति।
- मध्यप्रदेश की जनसंख्या व मानवीय संसाधनों का विकास– शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल।
- सतत् विकास लक्ष्यों में मध्यप्रदेश की प्रगति।
- मध्यप्रदेश में कृषि, उद्योग, एम.एस.एम.ई. एवं अधोसंरचना का विकास।
- आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश, एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.)।
- मध्यप्रदेश में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) की प्रगति।
- भारतीय अर्थव्यवस्था की नवीन प्रवृत्तियाँ– कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र।
- वित्तीय संस्थाएँ– रिजर्व बैंक, वाणिज्यिक बैंक, सेबी, गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाएँ।
- भारत की विदेशी व्यापार की नीतियाँ एवं जी–20, सार्क तथा एशियान।

## 10. मध्यप्रदेश की जनजातियाँ– विरासत, लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य

- मध्यप्रदेश में जनजातियों का भौगोलिक विस्तार, जनजातियों से संबंधित संवैधानिक प्रावधान।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ, विशेष पिछड़ी जनजातियाँ एवं घुमन्तू जातियाँ, जनजातियों के कल्याण के लिए योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश की जनजातीय संस्कृति– परम्पराएँ, विशिष्ट कलाएँ, त्यौहार, उत्सव, भाषा, बोली एवं साहित्य।
- मध्यप्रदेश की जनजातियों का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान एवं राज्य के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व। मध्यप्रदेश में जनजातियों से संबंधित प्रमुख संस्थान, संग्रहालय, प्रकाशन।
- मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य।



PRESENTED BY PRAMOD RANA

## EXAM का PATTERN (MAINS)

| S.No. | Name of the Papers | Part | Name of the Subject. | Hours | Marks. | Medium |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Paper-I | A | इतिहास | 3 Hours | 300 | Hindi & English |
| | | B | भूगोल | | | |
| 2. | Paper-II | A | राजनीति विज्ञान | 3 Hours | 300 | Hindi & English |
| | | B | समाज शास्त्र | | | |
| 3. | Paper-III | A | अर्थशास्त्र | 3 Hours | 300 | Hindi & English |
| | | B | विज्ञान, तकनीक एवं जन स्वास्थ्य | | | |
| 4. | Paper-IV | A | दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, लोकप्रशासन एवं केस स्टडी | 3 Hours | 300 | Hindi & English |
| | | B | उद्मिता, प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास एवं केस स्टडी | | | |
| 5. | Paper-V | - | सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण | 2 Hours | 200 | Hindi |
| 6. | Paper-VI | - | हिन्दी निबंध एवं प्रारूप लेखन | 2:30 Hours | 100 | Hindi |
| Total | | | | | 1500 | |

साक्षात्कार- 185 अंक

PRESENTED BY PRAMOD RANA

कुल अंक- 1500 अंक

# MPPSC MAINS (PAPER-1,2,3)

1/ **सामान्य अध्ययन– प्रथम प्रश्नपत्र, द्वितीय प्रश्न पत्र एवं तृतीय प्रश्नपत्र** के दोनों खंडों 'अ' तथा 'ब' में अभ्यर्थियों द्वारा केवल हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में उत्तर लिखे जा सकेंगे। उपर्युक्त तीनों प्रश्न पत्रों के प्रत्येक खंड 'अ' तथा खंड 'ब' में पूर्णांकों का वर्गीकरण निम्नानुसार होगा :–

| | प्रश्नों का स्वरूप | प्रश्नों की संख्या | अंक (प्रति प्रश्न) | अधिकतम शब्द संख्या प्रति प्रश्न | पूर्णांक |
|---|---|---|---|---|---|
| | 01 अति लघुत्तरीय | 15 | 02 | 20 | 30 |
| | 02 लघुत्तरीय | 10 | 07 | 60 | 70 |
| | 03 दीर्घ उत्तरीय | 05 | 10 | 200 | 50 |
| | योग | 30 प्रश्न | | | 150 अंक |



**मध्य प्रदेश का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य एवं रियासतें**
**(Paper-1, part-A, unit-2,4,5)**

**2- MAINS**
**(मुख्य परीक्षा)**

**इकाई–2**

- प्रागेतिहासिक एवं आद्य–ऐतिहासिक मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश के प्रमुख राजवंश, गर्दभिल्ल वंश, नागवंश, औलिंकर, परिव्राजक राजवंश, उच्च कल्प वंश, गुर्जर–प्रतिहार, कल्चुरी, चंदेल, परमार, तोमर, गोंडवंश, कच्छपघात वंश।

**इकाई–3**

- मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता आंदोलन।

**मध्य प्रदेश का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य एवं रियासतें**
**(Paper-1, part-A, unit-2,4,5)**

**2- MAINS**
**(मुख्य परीक्षा)**

**इकाई–4**

- गणतंत्र के रूप में भारत का उदय, राज्यों का पुनर्गठन, मध्यप्रदेश राज्य के रूप में गठन, स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् की प्रमुख घटनाएँ।
- भारतीय सांस्कृतिक विरासत (मध्यप्रदेश के विशेष संदर्भ में)– प्राचीन काल से आधुनिक काल तक विभिन्न कला प्रारूपों, साहित्य, पर्व (उत्सव) एवं वास्तुकला के प्रमुख पक्ष।
- म.प्र. में विश्व धरोहर स्थल एवं पर्यटन।

**इकाई–5**

- मध्यप्रदेश की प्रमुख रियासतें– गोंडवाना, बुंदेली, बघेली, होल्कर, सिंधिया एव भोपाल रियासत (स्वतंत्रता प्राप्ति तक)।
- मध्यप्रदेश के जनजातीय नायकों का संघर्ष एवं इतिहास में योगदान– राजा शंकरशाह, रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती, भीमाजी नायक, खाज्यानायक, टंट्या भील, गंजनसिंह कोरकू, बादल भोई, पेमा फाल्या।

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.

PRESENTED BY PRAMOD RANA

**मध्य प्रदेश का भूगोल**
**(Paper-1, part-B, unit-5)**

**2- MAINS**
**(मुख्य परीक्षा)**

**इकाई–5 मध्यप्रदेश का भूगोल**

- प्रमुख भू–आकृतिक (भौतिक) विभाग– मालवा का पठार, मध्य भारत का पठार, बुन्देलखण्ड पठार, विंध्याचल श्रेणी, बघेलखंड पठार, नर्मदा–सोन घाटी, सतपुड़ा श्रेणी।
- प्रमुख नदियाँ और उनकी सहायक नदियाँ।
- जलवायु– ऋतुएँ, तापमान, वर्षा।
- मध्यप्रदेश की मिट्टियाँ, प्रकार एवं वितरण, मृदा अपरदन एवं मृदा संरक्षण।
- प्राकृतिक वनस्पति– वनों के प्रकार और वितरण, प्रमुख वनोपज।
- प्रमुख फसलें, सिंचाई एवं सिंचाई परियोजनाएँ।
- प्रमुख खनिज और ऊर्जा संसाधन, ऊर्जा के गैर–पारंपरिक स्रोत।
- प्रमुख उद्योग, लघु एवं कुटीर उद्योग।
- जनसंख्या वृद्धि, वितरण और घनत्व, नगरीकरण।

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्य प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था एवं प्रशासन
(Paper-2, part-A, unit-4,5)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

## इकाई–4

- राज्यों का पुनर्गठन 1956 तथा मध्यप्रदेश का निर्माण, मध्यप्रदेश का विभाजन (2000)।
- राज्यपाल– नियुक्ति, शक्ति, स्थिति, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद– संगठन, कार्य एवं भूमिका।
- मध्यप्रदेश की विधानसभा– संगठन एवं शक्तियाँ, अध्यक्ष की भूमिका, विपक्ष की भूमिका।
- मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, संगठन, क्षेत्राधिकार एवं भूमिका।
- जवाबदेही एवं अधिकार– प्रतिस्पर्धा आयोग, अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, मानव अधिकार आयोग, सूचना आयोग, उपभोक्ता फोरम, बाल आयोग, महिला आयोग।



मध्य प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था एवं प्रशासन
(Paper-2, part-A, unit-4,5)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

## इकाई–5

- मध्यप्रदेश का प्रशासन– सचिवालय, मुख्य सचिव, सचिव तथा आयुक्त, मध्यप्रदेश में जिला प्रशासन, जिलाधीश की भूमिका।
- मध्यप्रदेश में ग्रामीण स्थानीय स्वशासन– पंचायतीराज संगठन एवं शक्तियाँ, शहरी स्थानीय स्वशासन– संगठन एवं शक्तियाँ, स्थानीय स्वशासन में वित्त नौकरशाही एवं स्वायत्तता का महत्व।
- मध्यप्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य– जनजातीय, पिछड़े एवं वंचित वर्ग का उत्थान एवं नक्सली समस्या से जुड़े मुद्दे।
- मध्यप्रदेश की राजनीति में महिलाओं का योगदान।
- मध्यप्रदेश की राजनीति में समसामयिक मुद्दे।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मानव संसाधन विकास व सामाजिक कल्याण की योजनाएं
(Paper-2, part-B, unit-5)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

## इकाई–5 मानव संसाधन विकास और सामाजिक कल्याण की योजनाएँ

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020– विजन, सिद्धांत, स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा, वयस्क शिक्षा और जीवन–पर्यन्त सीखना।
- सामाजिक वर्गों और उनके कल्याण कार्यक्रमों से संबंधित मुद्दे– वरिष्ठ नागरिक, बच्चे, महिलाएँ, विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग और विकासात्मक परियोजनाओं से उत्पन्न विस्थापित समूह, बालिकाओं की शिक्षा से जुड़े मुद्दे।
- सामुदायिक विकास कार्यक्रम, विस्तार शिक्षा, पंचायती राज, सामुदायिक विकास में गैर–सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) की भूमिका।
- मध्यप्रदेश में जनजातियों की स्थिति एवं सामाजिक संरचना, रीति–रिवाज। जनजातियों में विश्वास, विवाह, रिश्तेदारी, धार्मिक विश्वास, परंपराएँ, त्यौहार और उत्सव।
- मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति।

मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था
(Paper-3, part-A, unit-3,4)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

## इकाई–3 मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था का अवलोकन

- मध्यप्रदेश में राज्य घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश (ANMP)। एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम (ODOP)।
- प्रमुख फसलें और फसल पैटर्न तथा जोत।
- खाद्य सुरक्षा, वितरण प्रणाली और भंडारण।
- उद्यानिकी, पशुधन, डेयरी व मत्स्य पालन।
- औद्योगिक क्षेत्र की स्थिति, अधोसंरचना का विकास।
- एम.एस.एम.ई. और पारंपरिक उद्योगों का विकास और समर्थन।
- मध्यप्रदेश में ग्रामीण एवं शहरी विकास, जनजातीय अर्थव्यवस्था– कृषि पद्धति, प्रमुख वनोपज, हस्तशिल्प एवं हाट बाजार।
- पर्यटन, व्यापार और निवेश प्रोत्साहन।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

**मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था**
**(Paper-3, part-A, unit-3,4)**

**2- MAINS**
**(मुख्य परीक्षा)**

## इकाई–4 मध्य प्रदेश में सामाजिक एवं आर्थिक विकास

- स्वास्थ्य अधोसंरचना, शिक्षा और कौशल विकास।
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए नीतियाँ– वन, जल और खनिज।
- वित्तीय, सामाजिक समावेशन एवं कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश की जनसांख्यिकी का प्रभाव।
- मानव संसाधन की उत्पादकता और रोजगार।
- मध्यप्रदेश में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों की प्रगति।
- राज्य का राजस्व, व्यय, ऋण एवं राजकोषीय अनुशासन।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

**Mains Paper-1, part-A**

# Mp Pre+Mains Same Syllabus

इकाई–2

- प्रागैतिहासिक एवं आद्य–ऐतिहासिक मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश के प्रमुख राजवंश, गर्दभिल्ल वंश, नागवंश, औलिंकर, परिव्राजक राजवंश, उच्च कल्प वंश, गुर्जर–प्रतिहार, कल्चुरी, चंदेल, परमार, तोमर, गोंडवंश, कच्छपघात वंश।

**इकाई–3**

- मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता आंदोलन।

इकाई–4

- गणतंत्र के रूप में भारत का उदय, राज्यों का पुनर्गठन, मध्यप्रदेश राज्य के रूप में गठन, स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् की प्रमुख घटनाएँ।
- भारतीय सांस्कृतिक विरासत (मध्यप्रदेश के विशेष संदर्भ में)– प्राचीन काल से आधुनिक काल तक विभिन्न कला प्रारूपों, साहित्य, पर्व (उत्सव) एवं वास्तुकला के प्रमुख पक्ष।
- म.प्र. में विश्व धरोहर स्थल एवं पर्यटन।

इकाई–5

- मध्यप्रदेश की प्रमुख रियासतें– गोंडवाना, बुंदेली, बघेली, होल्कर, सिंधिया एव भोपाल रियासत (स्वतंत्रता प्राप्ति तक)।
- मध्यप्रदेश के जनजातीय नायकों का संघर्ष एवं इतिहास में योगदान– राजा शंकरशाह, रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती, भीमाजी नायक, खाज्यानायक, टंट्या भील, गंजनसिंह कोरकू, बादल भोई, पेमा फाल्या।

**Mppsc Pre**

2. **मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य**
   - मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
   - स्वतंत्रता आंदोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
   - मध्यप्रदेश की प्रमुख कला एवं स्थापत्य कला।
   - मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं उनकी बोलियाँ।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख त्योहार, लोक संगीत, लोक कलाएँ एवं लोक–साहित्य।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक पर्यटन स्थल।
   - मध्यप्रदेश में विश्व धरोहर स्थल।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व।

Activate Windows Go to Settings to aOD RANA

**Mains Paper-1, part-B**

# Mp Pre+Mains Same Syllabus

**इकाई–5 मध्यप्रदेश का भूगोल**

- प्रमुख भू–आकृतिक (भौतिक) विभाग– मालवा का पठार, मध्य भारत का पठार, बुन्देलखण्ड पठार, विंध्याचल श्रेणी, बघेलखंड पठार, नर्मदा–सोन घाटी, सतपुड़ा श्रेणी।
- प्रमुख नदियाँ और उनकी सहायक नदियाँ।
- जलवायु– ऋतुएँ, तापमान, वर्षा।
- मध्यप्रदेश की मिट्टियाँ, प्रकार एवं वितरण, मृदा अपरदन एवं मृदा संरक्षण।
- प्राकृतिक वनस्पति– वनों के प्रकार और वितरण, प्रमुख वनोपज।
- प्रमुख फसलें, सिंचाई एवं सिंचाई परियोजनाएँ।
- प्रमुख खनिज और ऊर्जा संसाधन, ऊर्जा के गैर–पारंपरिक स्रोत।
- प्रमुख उद्योग, लघु एवं कुटीर उद्योग।
- जनसंख्या वृद्धि, वितरण और घनत्व, नगरीकरण।

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.

**Mppsc Pre**

4. **मध्यप्रदेश का भूगोल**
   - वन, वनोपज, नदियाँ, पहाड़ियाँ और पठार।
   - जलवायु– ऋतुएँ, तापमान, वर्षा।
   - प्राकृतिक संसाधन– मिट्टियाँ, प्रमुख खनिज संसाधन।
   - प्रमुख फसलें, जल संसाधन, सिंचाई और सिंचाई परियोजनाएँ।
   - ऊर्जा के पारंपरिक और गैर–पारंपरिक स्रोत।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
   - जनसंख्या वृद्धि, वितरण एवं घनत्व, नगरीकरण।



**Mains Paper-2, part-A**

# Mp Pre+Mains Same Syllabus

**इकाई–4**

- राज्यों का पुनर्गठन 1956 तथा मध्यप्रदेश का निर्माण, मध्यप्रदेश का विभाजन (2000)।
- राज्यपाल– नियुक्ति, शक्ति, स्थिति, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद– संगठन, कार्य एवं भूमिका।
- मध्यप्रदेश की विधानसभा– संगठन एवं शक्तियाँ, अध्यक्ष की भूमिका, विपक्ष की भूमिका।
- मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, संगठन, क्षेत्राधिकार एवं भूमिका।
- जवाबदेही एवं अधिकार– प्रतिस्पर्धा आयोग, अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, मानव अधिकार आयोग, सूचना आयोग, उपभोक्ता फोरम, बाल आयोग, महिला आयोग।

**Mppsc Pre**

5. **भारत एवं मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था**
   - संविधान सभा।
   - संघीय कार्यपालिका, राष्ट्रपति एवं संसद।
   - सर्वोच्च न्यायालय एवं न्यायिक व्यवस्था।
   - संवैधानिक संशोधन।
   - नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य एवं राज्य के नीति–निदेशक सिद्धांत।
   - राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक संवैधानिक/सांविधिक आयोग एवं संस्थाएँ।
   - मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा, उच्च न्यायालय)।
   - मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतीराज एवं नगरीय प्रशासन व्यवस्था।
   - मध्यप्रदेश में सुशासन (अभिशासन व्यवस्था)।

**Mains Paper-2, part-B**

# Mp Pre+Mains Same Syllabus

**इकाई–5 मानव संसाधन विकास और सामाजिक कल्याण की योजनाएँ**

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020– विजन, सिद्धांत, स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा, वयस्क शिक्षा और जीवन–पर्यन्त सीखना।
- सामाजिक वर्गों और उनके कल्याण कार्यक्रमों से संबंधित मुद्दे– वरिष्ठ नागरिक, बच्चे, महिलाएँ, विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग और विकासात्मक परियोजनाओं से उत्पन्न विस्थापित समूह, बालिकाओं की शिक्षा से जुड़े मुद्दे।
- सामुदायिक विकास कार्यक्रम, विस्तार शिक्षा, पंचायती राज, सामुदायिक विकास में गैर–सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) की भूमिका।
- मध्यप्रदेश में जनजातियों की स्थिति एवं सामाजिक संरचना, रीति–रिवाज। जनजातियों में विश्वास, विवाह, रिश्तेदारी, धार्मिक विश्वास, परंपराएँ, त्यौहार और उत्सव।
- मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति।

**Mppsc Pre**

2. **मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य**
   - मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
   - स्वतंत्रता आंदोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
   - मध्यप्रदेश की प्रमुख कला एवं स्थापत्य कला।
   - मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं उनकी बोलियाँ।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख त्योहार, लोक संगीत, लोक कलाएँ एवं लोक–साहित्य।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक पर्यटन स्थल।
   - मध्यप्रदेश में विश्व धरोहर स्थल।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

**Mains Paper-3, part-A**

# Mp Pre+Mains Same Syllabus

**इकाई–3 मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था का अवलोकन**

- मध्यप्रदेश में राज्य घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश (ANMP)। एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम (ODOP)।
- प्रमुख फसलें और फसल पैटर्न तथा जोत।
- खाद्य सुरक्षा, वितरण प्रणाली और भंडारण।
- उद्यानिकी, पशुधन, डेयरी व मत्स्य पालन।
- औद्योगिक क्षेत्र की स्थिति, अधोसंरचना का विकास।
- एम.एस.एम.ई. और पारंपरिक उद्योगों का विकास और समर्थन।
- मध्यप्रदेश में ग्रामीण एवं शहरी विकास, जनजातीय अर्थव्यवस्था– कृषि पद्धति, प्रमुर वनोपज, हस्तशिल्प एवं हाट बाजार।
- पर्यटन, व्यापार और निवेश प्रोत्साहन।

**इकाई–4 मध्य प्रदेश में सामाजिक एवं आर्थिक विकास**

- स्वास्थ्य अधोसंरचना, शिक्षा और कौशल विकास।
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए नीतियाँ– वन, जल और खनिज।
- वित्तीय, सामाजिक समावेशन एवं कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश की जनसांख्यिकी का प्रभाव।
- मानव संसाधन की उत्पादकता और रोजगार।
- मध्यप्रदेश में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों की प्रगति।
- राज्य का राजस्व, व्यय, ऋण एवं राजकोषीय अनुशासन।

**Mppsc Pre**

6. **भारत एवं मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था**
   - भारतीय अर्थव्यवस्था में मध्यप्रदेश की वर्तमान स्थिति।
   - मध्यप्रदेश की जनसंख्या व मानवीय संसाधनों का विकास– शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल।
   - सतत् विकास लक्ष्यों में मध्यप्रदेश की प्रगति।
   - मध्यप्रदेश में कृषि, उद्योग, एम.एस.एम.ई. एवं अधोसंरचना का विकास।
   - आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश, एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.)।
   - मध्यप्रदेश में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) की प्रगति।
   - भारतीय अर्थव्यवस्था की नवीन प्रवृत्तियाँ– कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र।
   - वित्तीय संस्थाएँ– रिजर्व बैंक, वाणिज्यिक बैंक, सेबी, गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाएँ।
   - भारत की विदेशी व्यापार की नीतियाँ एवं जी–20, सार्क तथा एशियान।

D BY PRAMOD RANA

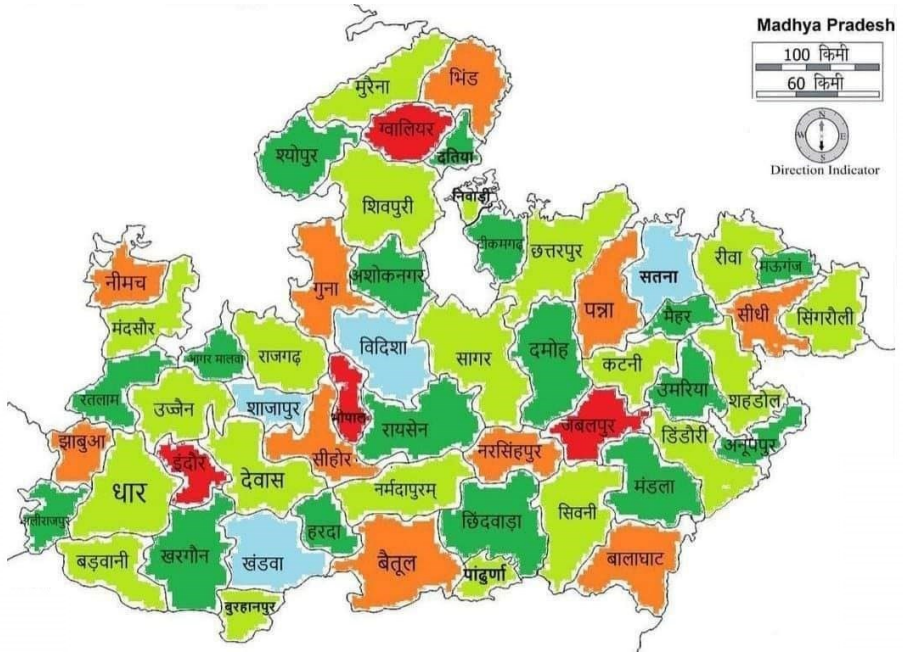


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्य प्रदेश का सामान्य ज्ञान तथा पुनर्गठन

PYQs

| अति लघु उत्तरीय | लघु उत्तरीय | दीर्घ उत्तरीय |
|---|---|---|
| मध्य प्रांत सरकार (2023) | म.प्र. के पुनर्गठन के बारे में विवरण दीजिए। (2020) | सॉंची क्यों प्रसिद्ध है। वर्णन कीजिए। (2022) |
| भीमबैटका को किस वर्ष विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। (2022) | स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् गठित ''मध्यभारत राज्य की भौगोलिक स्थिति पर प्रकाश डालिए। (2019) | |
| हृदयनाथ कुंजरू (2021) | म.प्र. के विश्व धरोहर स्थलों का संक्षेप में विवरण दीजिए। (2019) | |
| म.प्र. के चारों ओर स्थित राज्यों के नाम बताएं तथा राज्य का अक्षांशीय और देशान्तरीय विस्तार लिखें। (2016) | | |

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश का सामान्य परिचय

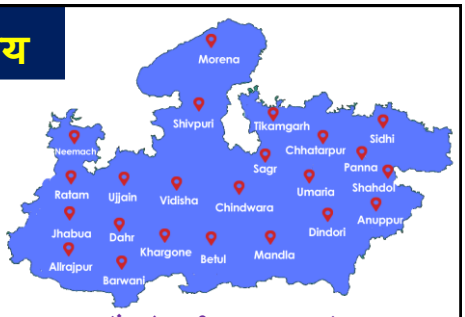


- राज्य दिवस :- मध्यप्रदेश दिवस 1 नवम्बर
- मध्यप्रदेश की स्थापना – 1 नवम्बर 1956
- 1 नवम्बर 1956 को म.प्र. में 43 जिले तथा 7 या 8 संभाग थे।
- राजकीय फसल – सोयाबीन (आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार म.प्र., भारत में सोयाबीन का सबसे बडा उत्पादक है।)

- मध्यप्रदेश गान – मेरा मध्यप्रदेश (रचनाकार - महेश श्रीवास्तव, गीतकार – शांतनु मुखर्जी, संगीतकार – सुनील झा । 2010-11 में राजकीय गान घोषित किया। )
- नोट- महेश श्रीवास्तव को 2012 का गणेश शंकर विद्यार्थी पुरूस्कार मिला है।
- मध्यप्रदेश की राजभाषा – हिन्दी

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश का सामान्य परिचय

- म.प्र. के उपनाम –

✓ सोया प्रदेश- सोयाबीन का सबसे ज्यादा उत्पादन के कारण।

✓ टाइगर प्रदेश- बाघ रिपोर्ट 2022 के अनुसार म.प्र. में बाघों की संख्या सर्वाधिक है – 785 (भारत-3682)। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस – 29 जुलाई

✓ हृदय प्रदेश- जिस प्रकार हृदय शरीर के लिए महत्वपूर्ण है, ठीक उसी प्रकार म.प्र. से बहुत सारी नदियां, सडकें व रेलमार्ग निकलते हैं। (हृदय प्रदेश नाम -पं. जवाहरलाल नेहरू ने दिया)

✓ नदियों का मायका – म.प्र. पहाडी व पठारी क्षेत्र है, इसलिए यहां से बहुत सी नदियां निकलती है, इसलिए इसे नदियों का मायका कहा गया।

✓ दलहन प्रदेश – सर्वाधिक दलहन उत्पादन के कारण।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश का सामान्य परिचय

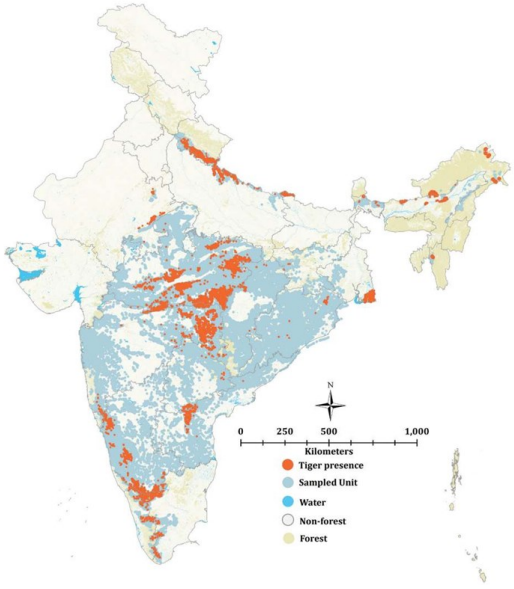


PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश का सामान्य परिचय

➢ **म.प्र. के उपनाम –**

✓ हीरा प्रदेश- हीरा उत्पादन में म.प्र. का लगभग एकाधिकार है।

✓ तेंदूपत्ता राज्य – भारत के कुल तेंदुपत्ता उत्पादन का 60% म.प्र. में उत्पादित होता है।

✓ वनों का राज्य - वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र 77,493 वर्ग किमी है।

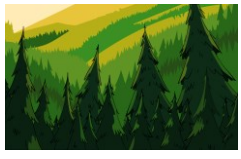

✓ उद्यानों का राज्य – सबसे ज्यादा राष्ट्रीय उद्यान म.प्र. में है (कुल-11)

✓ तेंदुआ राज्य - 2022 की रिपोर्ट के अनुसार म.प्र. में तेंदुओं की संख्या – 3907

✓ चीता प्रदेश – म.प्र. में शूरूआत में 8 चीते नामिबिया से लाए गए। (एकमात्र राज्य जहां पर अभी चीते हैं।)

✓ जनजातिय प्रदेश – सर्वाधिक जनजातियों के कारण।

✓ आदिमानव की क्रीडा स्थली।

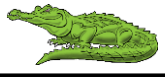

✓ गिद्ध राज्य, प्रायद्वीपीय भारत का मुकुट, घड़ियाल राज्य।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य पुष्प – लिली
- वैज्ञानिक नाम - लिलियम कैन्डीडम
- कुल – लिलिएसी
- बाहुल्य क्षेत्र – सम्पूर्ण मध्यप्रदेश

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य नृत्य – राई (बुन्देलखण्ड क्षेत्र)
- यह नृत्य गुजरात के प्रसिद्ध गरबा नृत्य के समान ही प्रसिद्ध है।
- यह नृत्य, शादियों और त्योहारों में किया जाता है।
- राई नृत्य के केंद्र में मुख्य नर्तिका होती है, जो मृदंग और ढोल के धुन पर नाचती है।
- इसका मुख्य उद्देश्य मज़ाक और व्यंग्य पैदा करना होता है।
- प्रमुख कलाकार – ज्ञानेश्वरी (कटनी), राम सहाय पांडे (पद्मश्री- 2022)
- विशेष - राई नृत्य बुंदेलखंड तथा बघेलखंड दोनों क्षेत्रों में किया जाता है

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

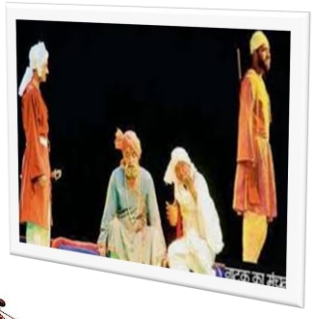

➢ राज्य नाट्य – माच (मालवा क्षेत्र)

- माच शब्द संस्कृत में मंच से बना है।
- माच का उद्भव राजस्थान के ख्याल से माना जाता है।
- म.प्र. में लोक मानस के प्रभावी मंच माच को उज्जैन में जन्म मिला है।
- ढोलक तथा सारंगी माच के महत्वपूर्ण वाद्य यंत्र है।
- बालमुकुंद गुरु जी को माच का प्रवर्तक माना जाता है।
- उनके पश्चात् उस्ताद कालूराम ने माच लोकनाट्य की परंपरा को आगे बढ़ाया था।
- माच गुरुओं के रूप में प्रमुख रूप से श्री सिद्धेश्वर सेन, ओम प्रकाश शर्मा का नाम भी उल्लेखनीय है।
- माच कलाकार ओम प्रकाश शर्मा को कला के क्षेत्र में पद्मश्री- 2024।


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

➢ राज्य मछली – महाशीर

- वैज्ञानिक नाम - टौर प्युटिटौरा
- प्रजाति – टोर
- राजकीय मछली का दर्जा - 2011
- विशेष - महाशीर प्रजनन केंद्र खरगौन के बडवाह में है।
- यह मछली नर्मदा नदी में पाई जाती है।
- इसे "टाइगर ऑफ वाटर" के नाम से भी जाना जाता है।


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य पक्षी – दुधराज या शाह बुलबुल (पैराडाइज फ्लाईकैचर)
- वैज्ञानिक नाम – टर्पसिफोनी पैराडाइसे
- घोषित वर्ष - 1981
- विशेष- धार के सरदारपुर अभ्यारण्य में तथा रतलाम के सैलाना अभ्यारण में दूधराज पक्षी का संरक्षण है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA
PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य खेल – मलखम्भ
- राजकीय खेल का दर्जा – अप्रैल 2013
- मलखंभ अकादमी उज्जैन में है (स्थापना – 2018)
- मध्य प्रदेश में 14 मलखंभ केन्द्र है। इंदौर, खरगोन, उज्जैन, बैतूल, दतिया, पन्ना, रतलाम, शाजापुर, शिवपुरी, ग्वालियर, टीकमगढ़, जबलपुर, छतरपुर एवं सागर में संचालित हैं।
- प्रभाष जोशी पुरूस्कार मलखंभ खेल के लिए दिया जाता है। स्थापना – 2013, राशि- 2 लाख रू
- प्रभाष जोशी पुरूस्कार - प्रथम पुरूस्कारकर्ता – अजय वक्तारिया, 2020 - वैष्णवी कहार (उज्जैन), 2021 - मुजाहिद बेग (उज्जैन)
- वर्ष 2020 में उज्जैन के मलखम्भ कोच योगेश मालवीय को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

PRESENTED BY PRAMOD RANA
PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य वृक्ष – बरगद
- वैज्ञानिक नाम - फाइकस वेनगैलेंसिस
- प्रजाति – फाइकस
- राजकीय वर्ष घोषित - 1981

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य फल – आम
- वैज्ञानिक नाम - मेंगीफेरा इंडिका
- विशेष – म.प्र. के रीवा में आम अनुसंधान केन्द्र है।
- विशेष – म.प्र. के अलीराजपुर जिले में नूरजहां प्रजाति का आम तथा रीवा जिले में सुंदरजा प्रजाति का आम पाया जाता है।
- रीवा के सुंदरजा आम को 2023 में GI TAG मिला है।

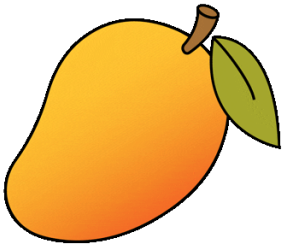

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य पशु – बारहसिंगा (ब्रेडरी प्रजाति)
- वैज्ञानिक नाम - रूसर्वस डुवाउसेली
- प्रजाति - ब्रेडरी प्रजाति
- बारहसिंगा – कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ राष्ट्रीय उद्यान
- राजकीय पशु घोषित - 1981
- विशेष – 2017 में कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान में सरकारी शुभंकर प्राप्त करने वाला देश का पहला टाइगर रिजर्व है। जिसका नाम:- भूरसिंह (बारहसिंगा) (डिजाइन – रोहन चक्रवर्ती ने दिया)
- विशेष – बारहसिंगा को दलदल का मृग भी कहा जाता है।

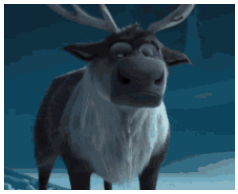

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य फसल – सोयाबीन
- वैज्ञानिक नाम - ग्लाईसिन मैक्स
- प्रजाति – लेग्युमिनेसी
- प्रमुख उत्पादक जिले – उज्जैन
- राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र – इन्दौर
- राज्य सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र – उज्जैन
- सोयाबीन संयंत्र - उज्जैन

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश के राज्य चिन्ह

- राज्य स्थापना दिवस के बाद म.प्र. शासन ने राजकीय प्रतीक चिन्ह अपनाया, उसमें भारत के राजकीय चिन्ह और स्थानीय विशेषताएं, दोनों को महत्व दिया है।
- इस चिन्ह में सबसे बाहर 24 स्तूप आकृति है।
- इसके बाद एक वृत्त है, जो सतत तरक्की और विकास की असीम संभावनाओं का घोतक है।
- इस वृत्त के अंदर मध्यप्रदेश शासन और सत्यमेव जयते के साथ गेहूं (दाएं) और धान (बाएं) की बालियां भी अंकित है।
- केन्द्र के वृत्त में अशोक स्तंभ की सिंह आकृति और राज्य वृक्ष बरगद को दर्शाया गया है।





# मध्यप्रदेश की राजधानियां

- म.प्र. की प्रशासनिक राजधानी :- भोपाल
- म.प्र. की आर्थिक, व्यावसायिक व खेल राजधानी :- इंदौर
- म.प्र. की संगीत राजधानी :- मैहर
- म.प्र. की ऊर्जा राजधानी :- सिंगरौली
- म.प्र. की पर्यटन व ग्रीष्मकालीन राजधानी :- पंचमढी
- म.प्र. की मैंग्नीज राजधानी :- बालाघाट
- म.प्र. की धार्मिक व सांस्कृतिक राजधानी :- उज्जैन
- म.प्र. की न्यायिक व संस्कारधानी राजधानी (आचार्य विनोबा भावे के कहने पर) :- जबलपुर

## मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति

## मध्यप्रदेश का अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार

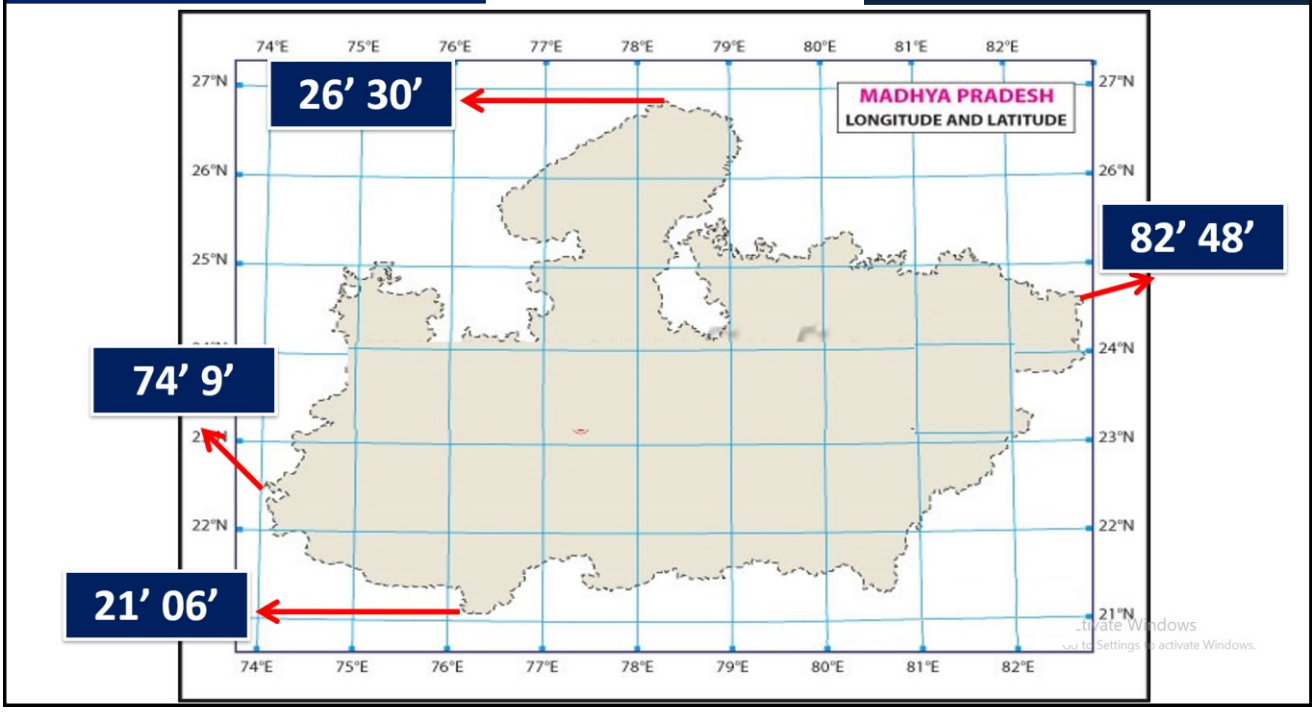


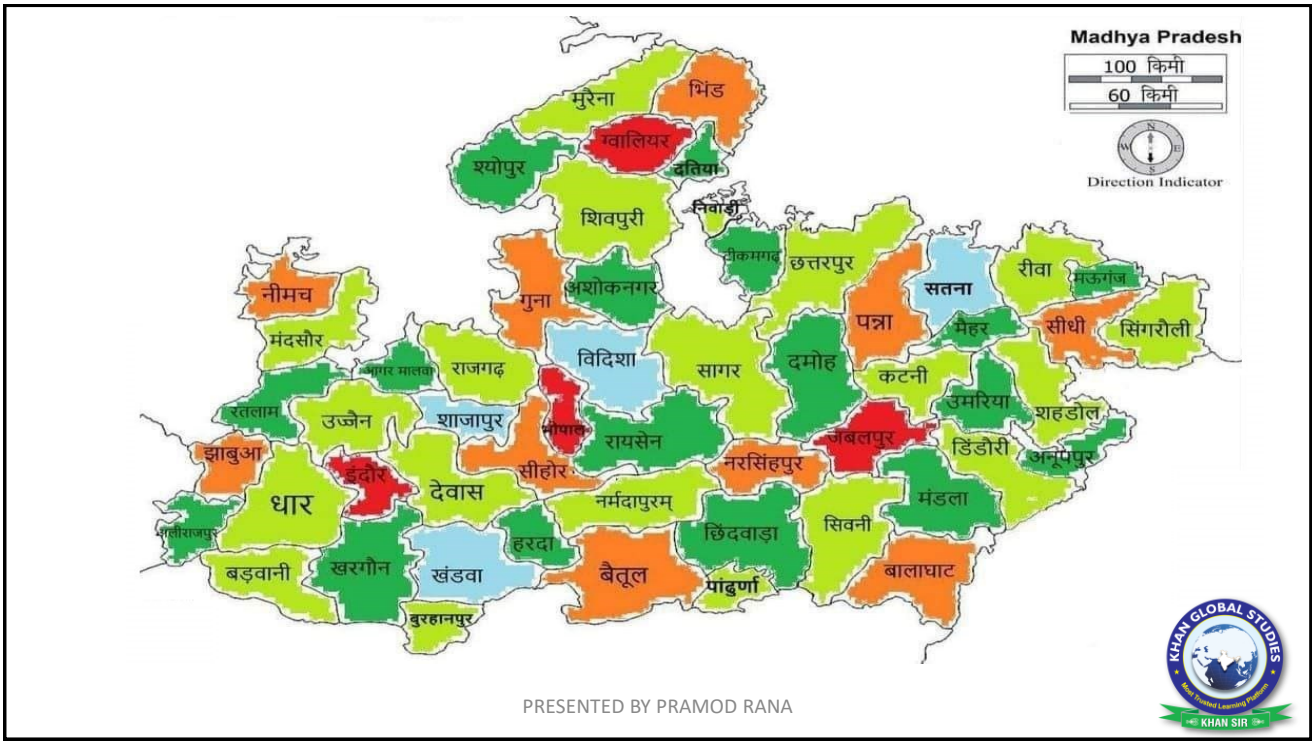

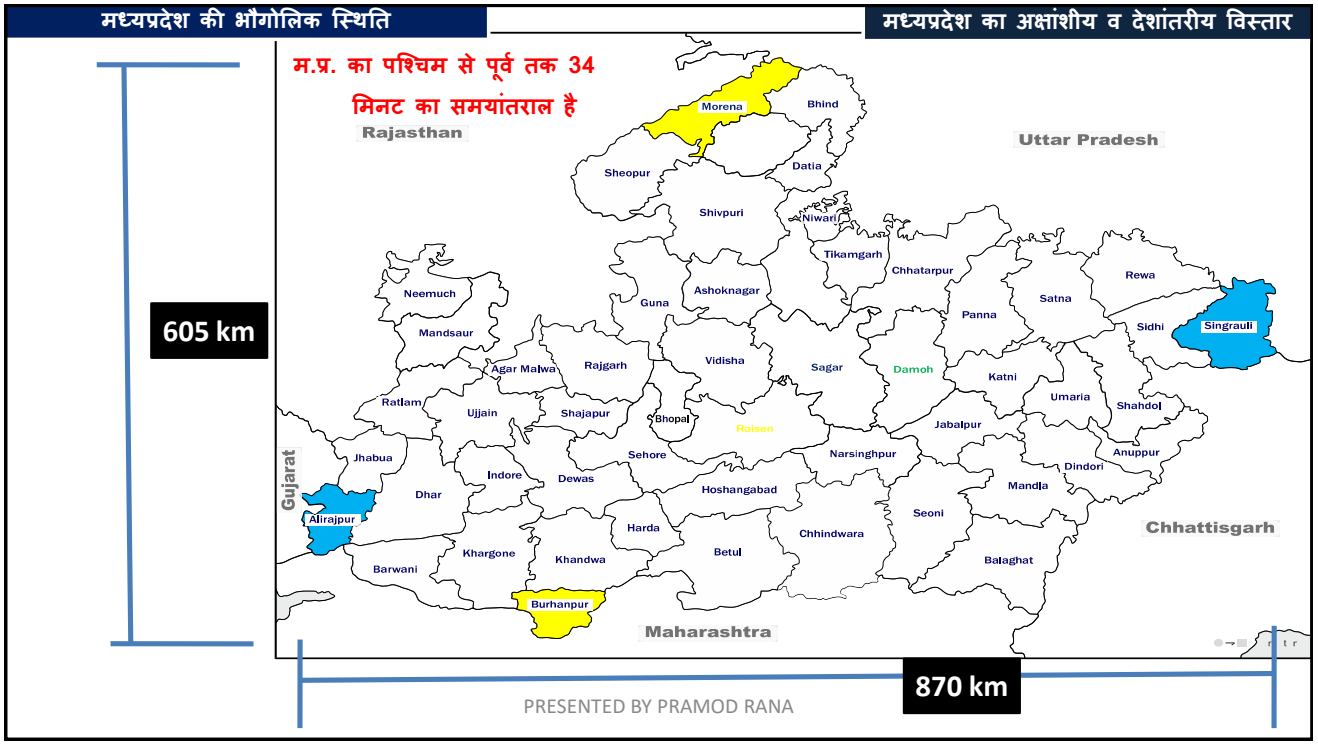
मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति
मध्यप्रदेश का अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार
म.प्र. का पश्चिम से पूर्व तक 34 मिनट का समयांतराल है
605 km
870 km
Rajasthan
Uttar Pradesh
Gujarat
Chhattisgarh
Maharashtra
Morena
Bhind
Sheopur
Datia
Shivpuri
Niwari
Tikamgarh
Chhatarpur
Rewa
Satna
Panna
Sidhi
Singrauli
Neemuch
Mandsaur
Guna
Ashoknagar
Agar Malwa
Rajgarh
Vidisha
Sagar
Damoh
Katni
Umaria
Shahdol
Ratlam
Ujjain
Shajapur
Bhopal
Raisen
Jabalpur
Jhabua
Sehore
Narsinghpur
Anuppur
Dindori
Indore
Dewas
Hoshangabad
Mandla
Dhar
Alirajpur
Harda
Seoni
Khargone
Khandwa
Betul
Chhindwara
Balaghat
Barwani
Burhanpur
PRESENTED BY PRAMOD RANA

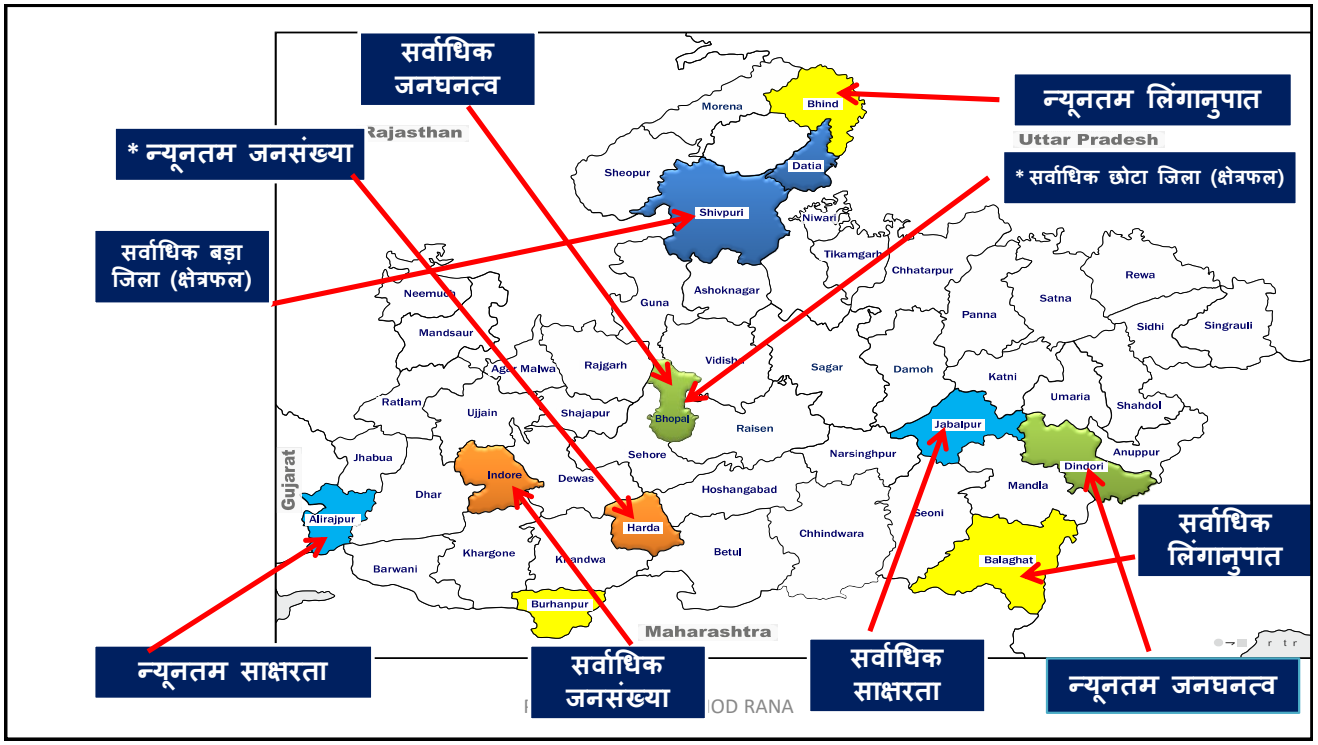
सर्वाधिक जनघनत्व
न्यूनतम लिंगानुपात
* न्यूनतम जनसंख्या
* सर्वाधिक छोटा जिला (क्षेत्रफल)
सर्वाधिक बड़ा जिला (क्षेत्रफल)
सर्वाधिक लिंगानुपात
न्यूनतम साक्षरता
सर्वाधिक जनसंख्या
सर्वाधिक साक्षरता
न्यूनतम जनघनत्व
Rajasthan
Uttar Pradesh
Gujarat
Chhattisgarh
Maharashtra
Morena
Bhind
Sheopur
Datia
Shivpuri
Niwari
Tikamgarh
Chhatarpur
Rewa
Satna
Panna
Sidhi
Singrauli
Neemuch
Mandsaur
Guna
Ashoknagar
Agar Malwa
Rajgarh
Vidisha
Sagar
Damoh
Katni
Umaria
Shahdol
Ratlam
Ujjain
Shajapur
Bhopal
Raisen
Jabalpur
Jhabua
Sehore
Narsinghpur
Anuppur
Dindori
Indore
Dewas
Hoshangabad
Mandla
Dhar
Alirajpur
Harda
Seoni
Khargone
Khandwa
Betul
Chhindwara
Balaghat
Barwani
Burhanpur

- * वर्तमान के परिदृश्य में न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला – पांढुर्ना है।
- * वर्तमान के परिदृश्य में न्यूनतम क्षेत्रफल वाला जिला – निवाडी है।
- * 2011 की जनगणना के अनुसार :-
- ❖ न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला – हरदा।
- ❖ न्यूनतम क्षेत्रफल वाला जिला – भोपाल।

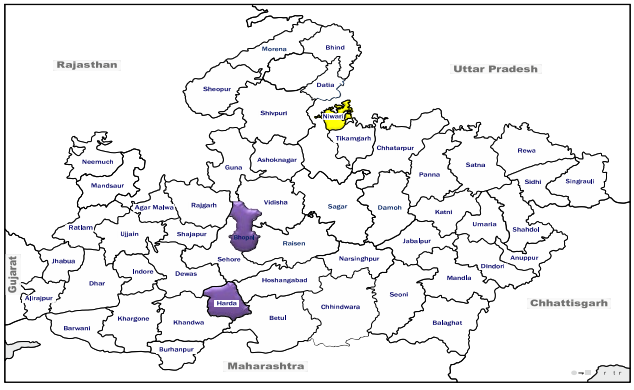




PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के पडोसी राज्य

U.P. सर्वाधिक लम्बी सीमा (जिलों के अनुसार)

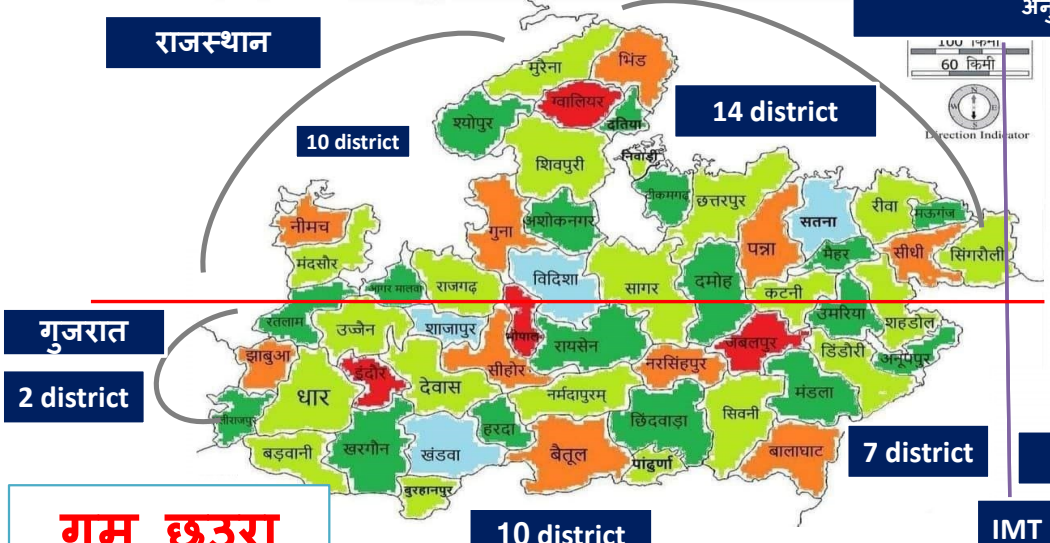


PRESENTED BY PRAMOD RANA

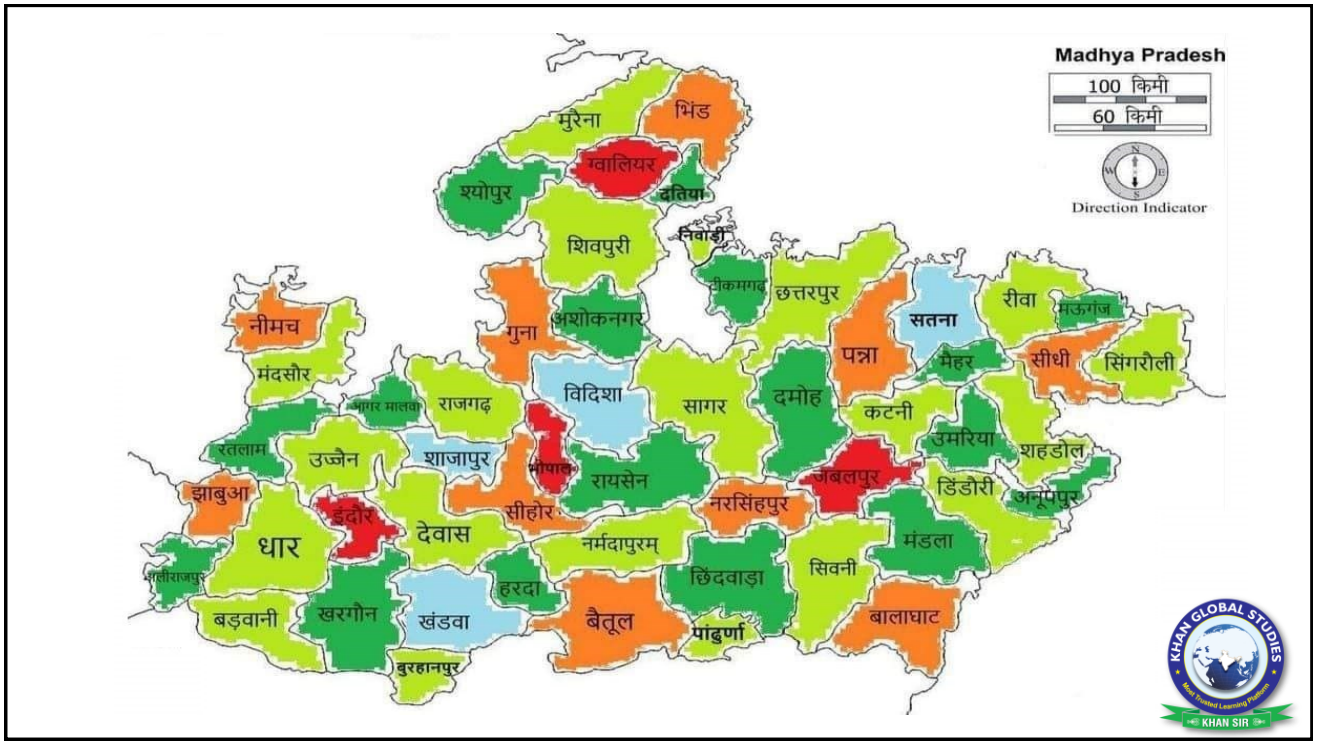

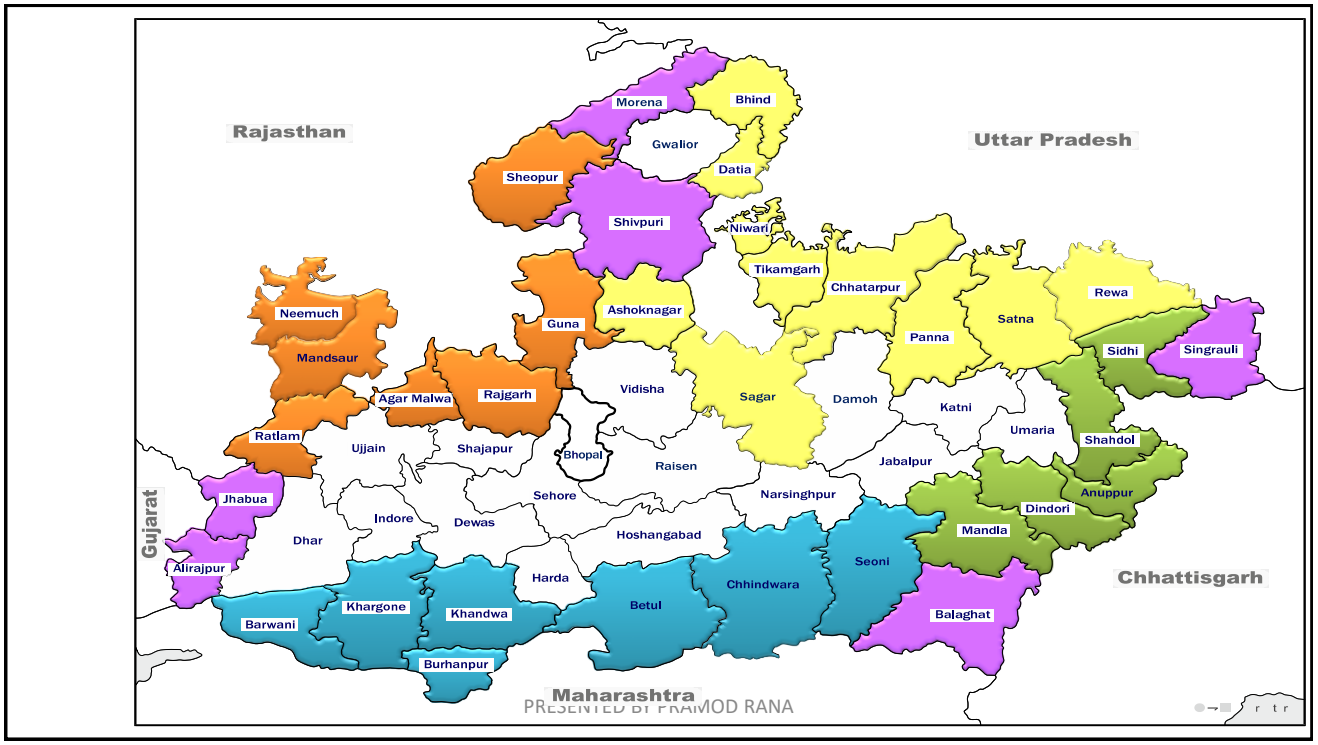

Madhya Pradesh
100 किमी
60 किमी
Direction Indicator
मुरैना
भिंड
ग्वालियर
श्योपुर
दतिया
शिवपुरी
निवाड़ी
टीकमगढ़
छत्तरपुर
पन्ना
सतना
रीवा
मऊगंज
मैहर
सीधी
सिंगरौली
नीमच
मंदसौर
आगर मालवा
राजगढ़
गुना
अशोकनगर
विदिशा
सागर
दमोह
कटनी
उमरिया
शहडोल
रतलाम
उज्जैन
शाजापुर
भोपाल
रायसेन
जबलपुर
डिंडौरी
अनूपपुर
झाबुआ
इंदौर
देवास
सीहोर
नरसिंहपुर
मंडला
धार
नर्मदापुरम्
अलीराजपुर
हरदा
छिंदवाड़ा
सिवनी
बड़वानी
खरगौन
खंडवा
बैतूल
पांढुर्णा
बालाघाट
बुरहानपुर
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR


Rajasthan
Uttar Pradesh
Gujarat
Chhattisgarh
Maharashtra
Morena
Bhind
Gwalior
Datia
Sheopur
Shivpuri
Niwari
Tikamgarh
Chhatarpur
Rewa
Satna
Panna
Sidhi
Singrauli
Neemuch
Mandsaur
Guna
Ashoknagar
Agar Malwa
Rajgarh
Vidisha
Sagar
Damoh
Katni
Umaria
Shahdol
Ratlam
Ujjain
Shajapur
Bhopal
Raisen
Jabalpur
Anuppur
Jhabua
Indore
Dewas
Sehore
Narsinghpur
Dindori
Mandla
Dhar
Hoshangabad
Alirajpur
Harda
Chhindwara
Seoni
Barwani
Khargone
Khandwa
Betul
Balaghat
Burhanpur

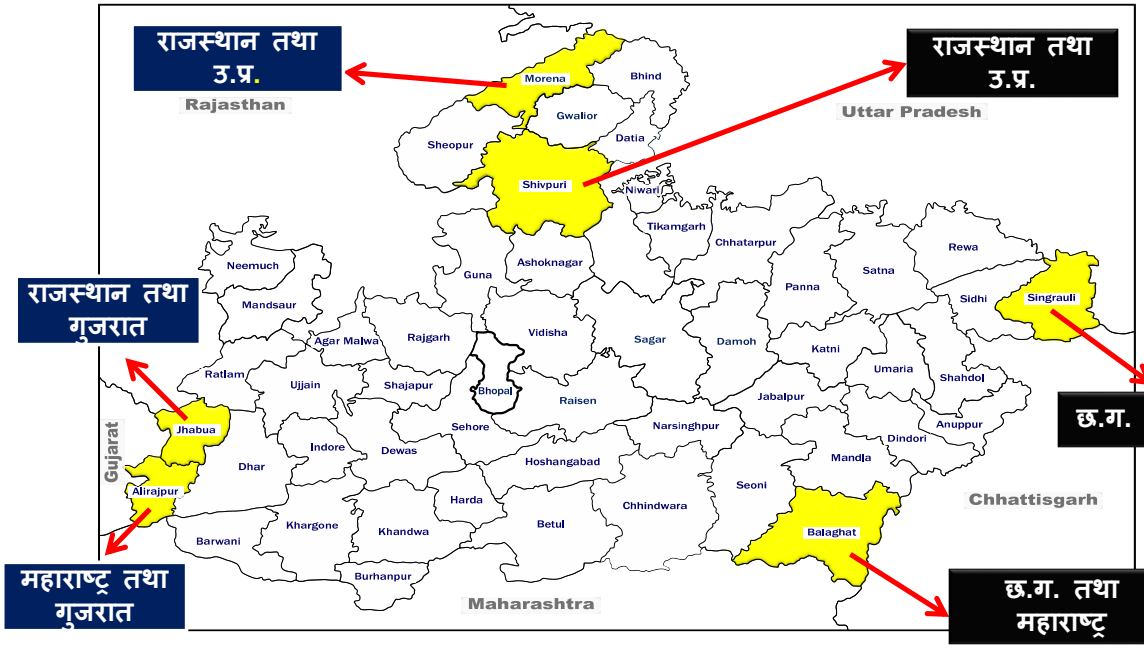




## मध्यप्रदेश

**राज्यों के साथ सर्वाधिक सीमा बनाने वाले म.प्र. के जिले:-**

**अलीराजपुर – गुजरात के साथ**

**नीमच – राजस्थान के साथ**

**अनूपपुर – छतीसगढ के साथ**

**बैतूल – महाराष्ट्र के साथ**

**सिंगरौली / निवाडी – उ.प्र. के साथ**

**म.प्र. का निकटतम बंदरगाह – मुंबई**

**नोट- म.प्र. की सर्वाधिक सीमा क्षेत्रफल के अनुसार राजस्थान से है तथा जिलों के अनुसार उ.प्र. से है।**



PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश

- म.प्र. के अंतर्वती जिले (जिनकी सीमा अन्य राज्य को नहीं छूती)- 18 जिले – ग्वालियर, विदिशा, उज्जैन, धार, इंदौर, देवास, शाजापुर, सीहोर, भोपाल, रायसेन, होशंगाबाद, हरदा, दमोह, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, मैहर एवं उमरिया।।
- म.प्र. का क्षेत्रफल – 3,08,252 वर्ग किमी (भारत का 9.38 %)
- म.प्र. से अलग हुआ छ.ग. का भू-क्षेत्र – 1,35,913 वर्ग किमी (म.प्र. का 30.47 %)
- कर्क रेखा म.प्र. के 14 जिलों से गुजरती है।
- भारत की मध्यान्ह रेखा 82.5 एकमात्र सिंगरोली जिले से गुजरती है। (भारत के 5 राज्यों से होकर गुजरती है – उ.प्र. , म.प्र. , छतीसगढ , ओडिशा , आंध्रप्रदेश )



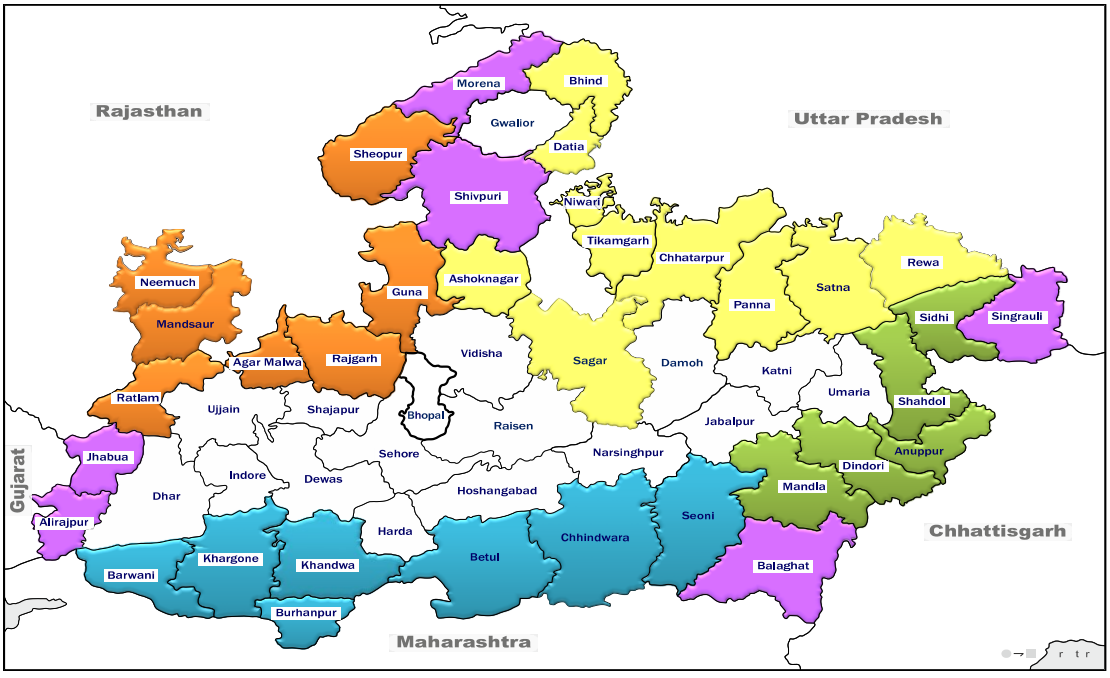

## मध्यप्रदेश में कर्क रेखा

कर्क रेखा म.प्र. के 14 जिलों से गुजरती है।

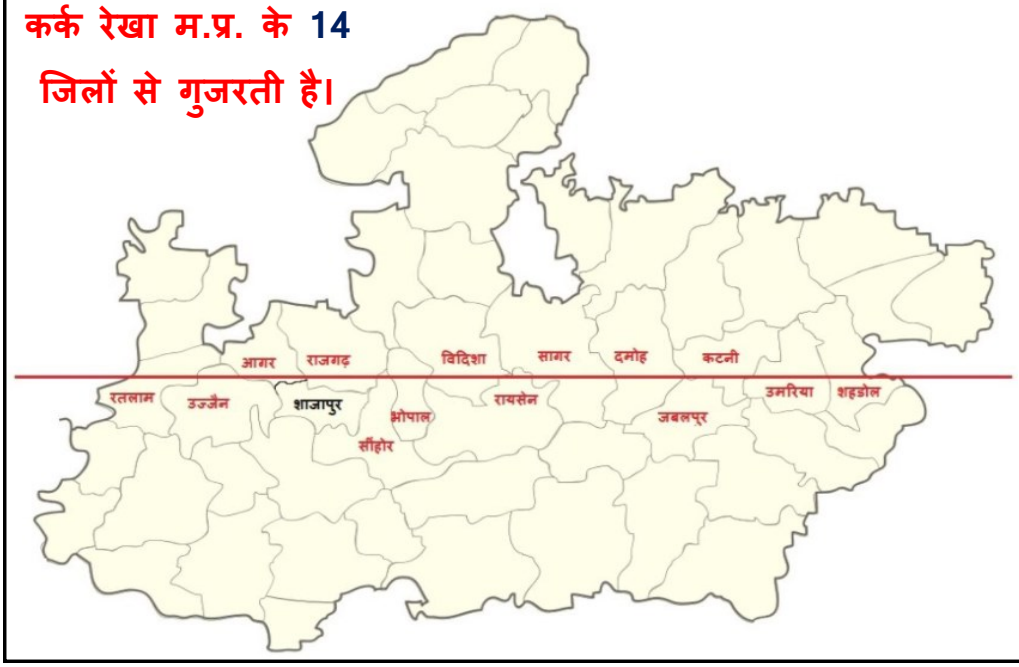


कर्क रेखा भारत के 8 राज्यों से गुजरती है।

- गुजरात
- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- छत्तीसगढ़
- झारखण्ड
- पश्चिम बंगाल
- त्रिपुरा
- मिज़ोरम

## मध्यप्रदेश में कर्क रेखा

- कर्क रेखा मालवा के पठार के मध्य से होकर गुजरती है।
- कर्क रेखा बघेलखंड के पठार को दो बराबर भागों में बांटती है।
- माही नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है।
- कर्क रेखा 5 संभागों से होकर जाती है, जो निम्न है:- उज्जैन, भोपाल (भोपाल संभाग के सभी जिलों से), सागर, जबलपुर, शहडोल से जाती है।

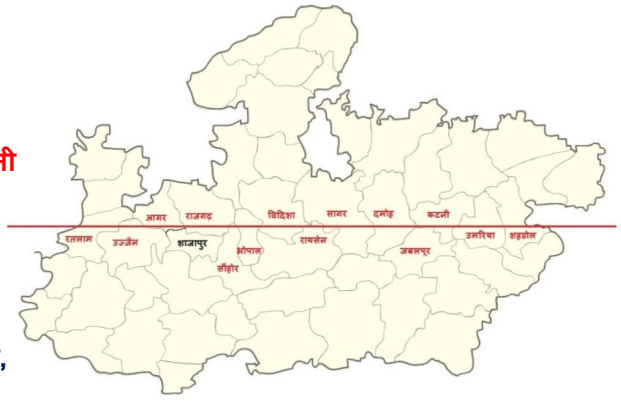



PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश की जलवायु

- म.प्र. में उष्ण कटिबंधीय मानसूनी जलवायु पाई जाती है।
- मध्य भारत के पठार में विषम जलवायु पायी जाती है।
- मालवा के पठार में आदर्श जलवायु पायी जाती है।

## मध्यप्रदेश के वन

- म.प्र. में उष्ण कटिबंधीय वन पाए जाते हैं।
- म.प्र. में सर्वाधिक सागौन के वृक्ष पाए जाते हैं।
- वर्ष 2021 की वन रिपोर्ट के अनुसार म.प्र. में 77493 वर्ग कि.मी. में वन है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

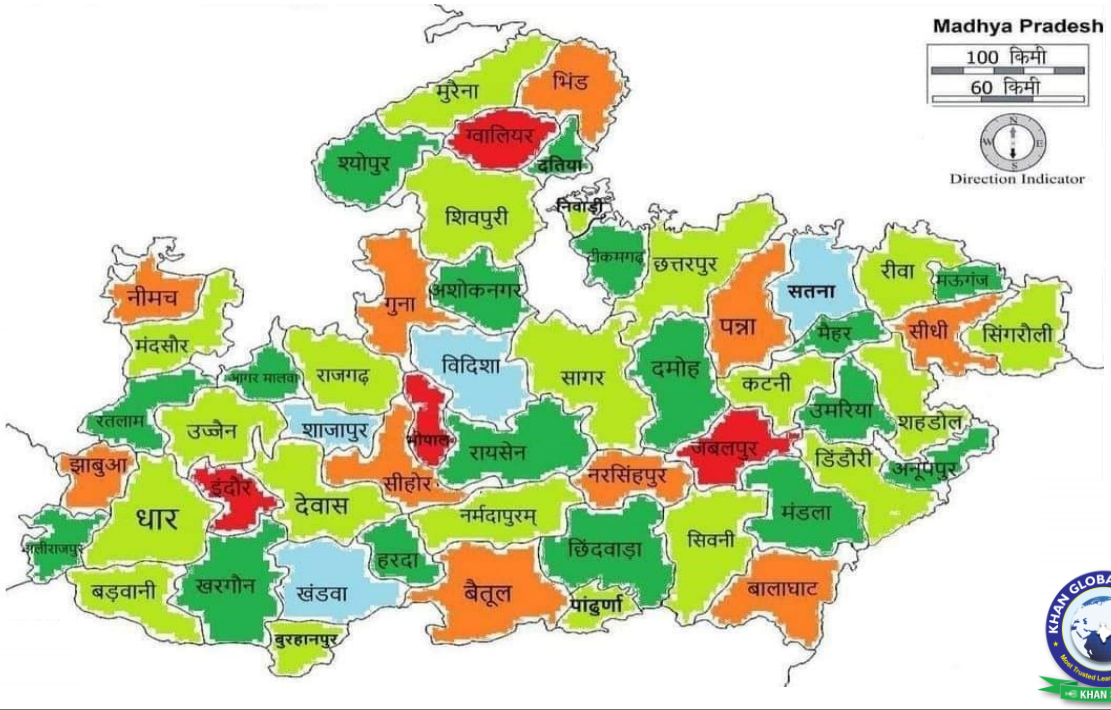

## मध्यप्रदेश में वर्षा

- म.प्र. में वार्षिक औसत वर्षा 112 सेंटीमीटर होती है।
- म.प्र. में सर्वाधिक वर्षा पंचमढी व न्यूनतम वर्षा गोहद में होती है।

## मध्यप्रदेश में मृदा

- म.प्र. में 5 प्रकार की मृदा पाई जाती है।
- म.प्र. में सर्वाधिक काली मृदा पाई जाती है।
- कपास की खेती के लिए काली मृदा ऊपर्युक्त है।


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश में तापमान

- म.प्र. में सबसे अधिक वार्षिक तापान्तर उत्तरी क्षेत्र में रहता है।
- म.प्र. में ग्रीष्म ऋतु में औसत तापमान दक्षिण से उत्तर की ओर बढता है।
- म.प्र. में सर्वाधिक तापमान मई माह में होता है।
- म.प्र. में न्यूनतम तापमान जनवरी माह में होता है।
- म.प्र. में सर्वाधिक तापान्तर मार्च माह में होता है।
- शीत ऋतु में उत्तरी भागों में तापमान दक्षिणी भागों की तुलना में कम हो जाता है।
- राज्य का दक्षिण-पूर्वी भाग अपेक्षाकृत अधिक वर्षा प्राप्त करता है।
- ग्रीष्म ऋतु में मुरैना व दतिया जिलों में तापमान अधिक रहता है।
- सामान्यतः, शीत ऋतु शुष्क होती है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश में केंद्रीय बिंदु

- स्वतंत्रता पूर्व अखण्ड भारत का केंद्र बिंदु मध्य प्रदेश में बैतूल जिले के बरसाली गांव में है।
- अविभाजित भारत का मध्य बिंदु (भौगोलिक केंद्र बिंदु) जिला कटनी, मध्य प्रदेश में करौंदी में स्थित है।
- वर्तमान भारत का केंद्र बिंदु विदिशा है।
- पृथ्वी का केंद्र बिंदु मंगलनाथ मंदिर (उज्जैन) है।
- म.प्र. के केंद्र बिंदु सागर है।

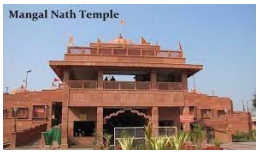

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश की प्रशासनिक स्थिति

| मध्यप्रदेश में वर्तमान की स्थिति | |
|---|---|
| संभाग | 10 |
| जिले | 55 |
| विकासखंड (तहसीलों का समूह) | 313 (89 आदिवासी विकासखंड) |
| तहसील | 436 |
| ग्राम पंचायतें | 23922 |
| नगर निगम | 17 |
| नगर पालिकाएं | 98 |
| नगर परिषद | 298 |
| कुल ग्राम | 54903 |

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

- **प्रदेश में 17 नगर निगम हैं :-**

**1)जबलपुर 2) देवास 3) कटनी 4) इंदौर 5) बुराहनपुर 6) रतलाम 7) खंडवा 8) उज्जैन 9) रीवा 10) छिंदवाड़ा 11) सिंगरौली 12) मोरेना 13) भोपाल 14) सागर 15) सतना 16) ग्वालियर 17) भिण्ड**

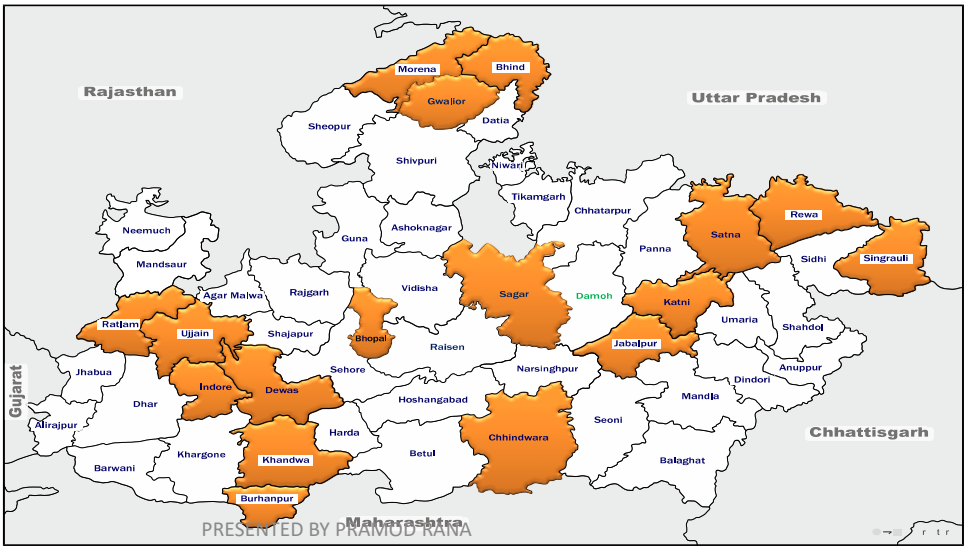


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश की न्यायिक स्थिति

➢ 2 नवंबर 1861 को सेंट्रल प्रॉविन्स की स्थापना हुई, चूँकि न्यायिक आयुक्त क्षेत्र न्यायिक आयुक्त द्वारा प्रशासित था। उस समय, नागपुर स्थित न्यायिक आयुक्त का न्यायालय इस क्षेत्र का शीर्ष न्यायालय था।

➢ तत्पश्चात्, सम्राट जार्ज पंचम द्वारा 2 जनवरी सन् 1936 को भारत सरकार अधिनियम 1935 की धारा-108 के अंतर्गत जारी लैटर्स पेटेंट के द्वारा सेंट्रल प्राविंश व बरार प्रांत हेतु नागपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की गई।

➢ राज्य पुनर्गठन अधिनियम के बाद 1 नवंबर 1956 से, वर्तमान मध्यप्रदेश राज्य के संबंध में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले उच्च न्यायालय, अर्थात नागपुर उच्च न्यायालय, वर्तमान मध्यप्रदेश राज्य हेतु उच्च न्यायालय समझा जाएगा।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश की न्यायिक स्थिति

- इसी समय 2 अस्थाई पीठें बनाई गईं –इंदौर तथा ग्वालियर।
- बाद में 28 नवंबर 1968 को इंदौर तथा ग्वालियर खंडपीठ को स्थायी कर दिया गया।
- जबलपुर हाईकोर्ट भवन का निर्माण 1889 ई. में राजा गोकुलदास ने करवाया था, तथा इसके वास्तुकार हेनरी इरविन है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश की राजनीतिक स्थिति

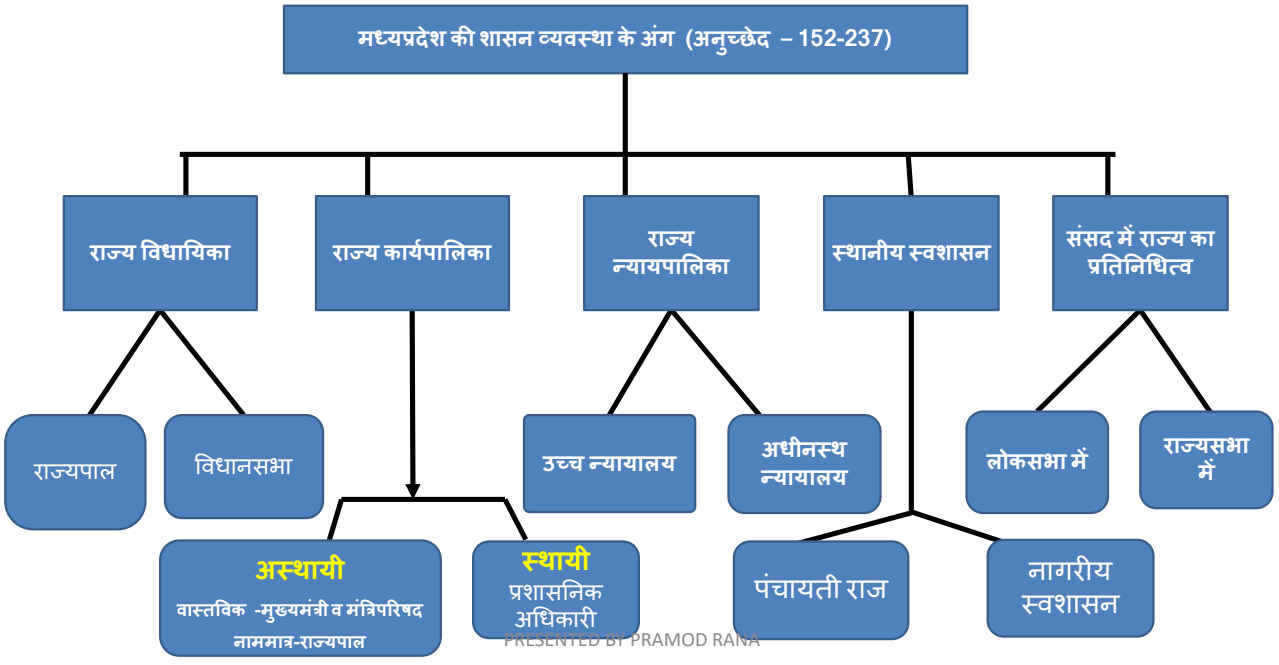


PRESENTED BY PRAMOD RANA

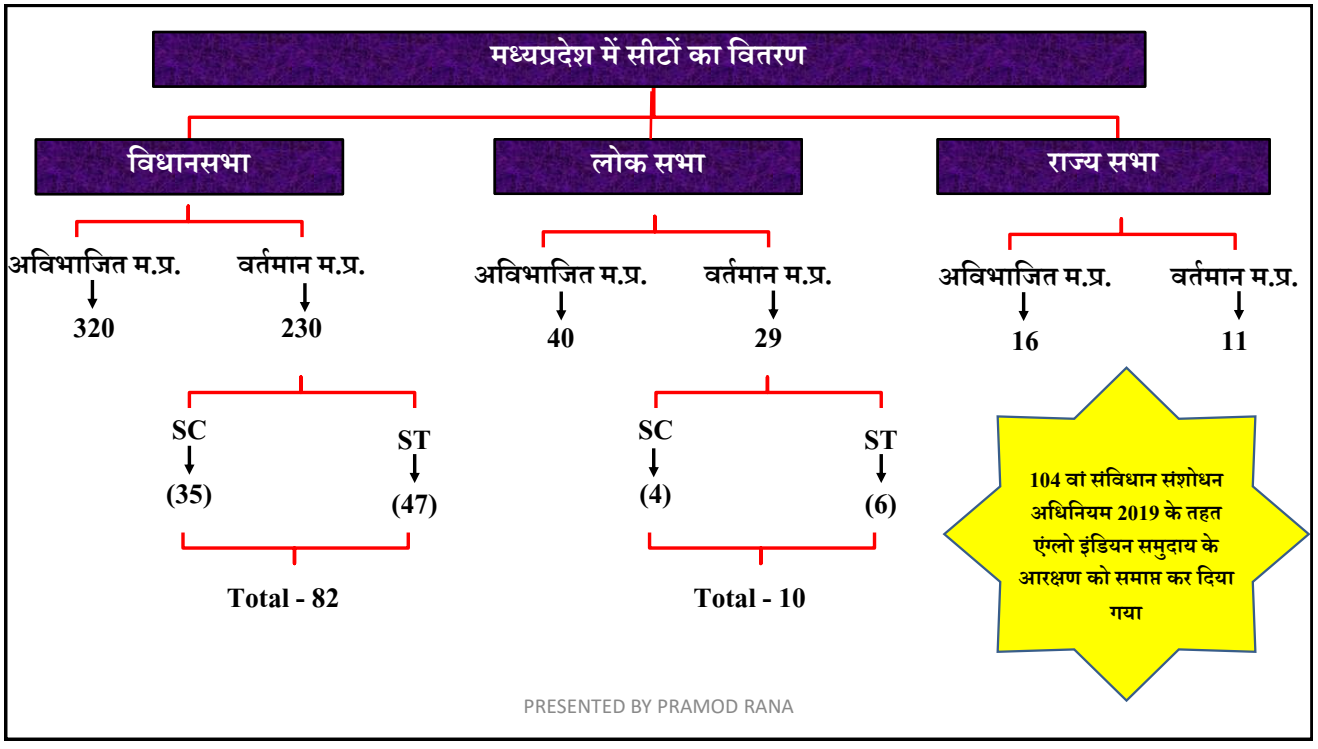


## मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति

- म.प्र. एक कृषि प्रधान देश है। म.प्र. की ज्यादातर जनसंख्या कृषि पर निर्भर है।
- म.प्र. को लगातार 7वीं बार प्रतिष्ठित कृषि कर्मण पुरस्कार मिला है।
- मध्यप्रदेश राज्य मक्का, चना, उड़द, कुल दलहन, कुल तिलहन के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है।
- म.प्र. का हीरा तथा तांबा उत्पादन में भी प्रथम स्थान पर है।
- म.प्र. का इंदौर शहर लगातार 7 वीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है।
- मिलेट का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष 2023 – म.प्र. भारत के कोदो-कुटकी के प्रमुख उत्पादकों में से एक है।
- म.प्र. में 2020 में म.प्र. राज्य मिलट मिशन तथा मुख्यमंत्री कोदो कुटकी खेती सहायता योजना शुरू की है।
- मंडला कोदो कुटकी का प्रमुख केन्द्र है।
- म.प्र. की प्रमुख वाणिज्यिक फसलें- सरसों, सोयाबीन तथा कपास।
- म.प्र., भारत में सोयाबीन का सबसे बडा उत्पादक है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश के रामसर स्थल

| रामसर स्थल | वर्ष | स्थिति | प्रमुख विशेषता |
|---|---|---|---|
| बड़ा तालाब / भोज ताल | 2002 | भोपाल | निर्माण – परमार वंश के शासक राजा भोज द्वारा। विशेषता – म.प्र. का प्रथम रामसर स्थल। |
| सांख्य सागर | 1 जुलाई, 2022 | शिवपुरी | निर्माण - माधव राव सिंधिया के द्वारा। विशेषता – माधव राष्ट्रीय उद्यान में स्थित विशेषता – मनिहार नदी पर बांधों का निर्माण कराते हुए सॉख्य सागर नामक कृत्रिम झील का निर्माण करवाया था । |
| सिरपुर तालाब | 1 जुलाई, 2022 | इंदौर | निर्माण – शिवाजीराव होल्कर के द्वारा। विशेषता – वर्ष 2019 में म.प्र. सरकार ने इसे राष्ट्रीय महत्व का स्थान घोषित किया है। |
| यशवंत सागर | 13 अगस्त, 2022 | इंदौर | निर्माण – यशवंत राव होल्कर के द्वारा। विशेषता – इसका निर्माण गंभीर नदी पर बांध बनाकर किया गया है। |

PRESENTED BY PRAMOD RANA

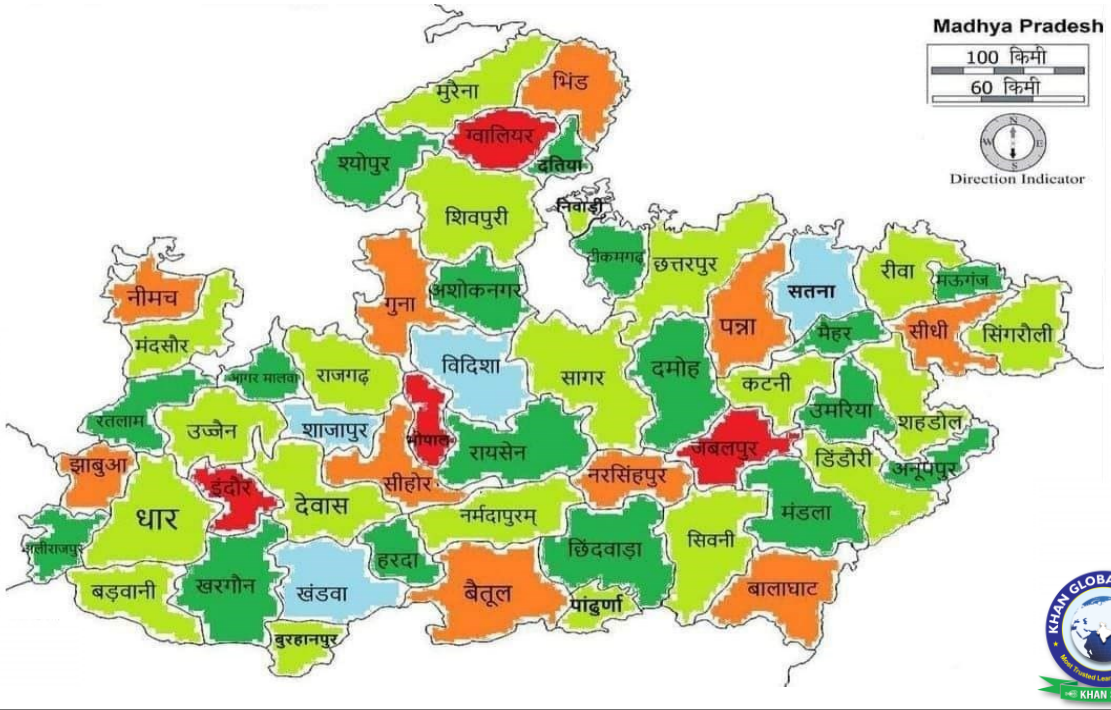

# UNESCO

- UNESCO - United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन
- UNESCO द्वारा सूचीबद्ध विशेष सांस्कृतिक या भौतिक महत्व के स्थलों को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। विश्व धरोहर स्थलों की सूची को 'विश्व धरोहर कार्यक्रम' द्वारा तैयार किया जाता है, यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति द्वारा इस कार्यक्रम को नियंत्रित किया जाता है।
- स्थापना – 16 नवंबर 1945
- मुख्यालय – पेरिस (फ्रांस)
- उद्देश्य - इसकी स्थापना का मकसद शिक्षा, संस्कृति और विज्ञान के प्रचार-प्रसार के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति, विकास और संबंधों को बढ़ावा देना है।
- UNESCO के द्वारा भारत में कुल 42 स्थल विश्व धरोहर सूची में शामिल है, जिसको 3 भागों में बांटा गया है:-

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# UNESCO

सांस्कृतिक विरासत
कुल - 34

प्राकृतिक विरासत
कुल - 7

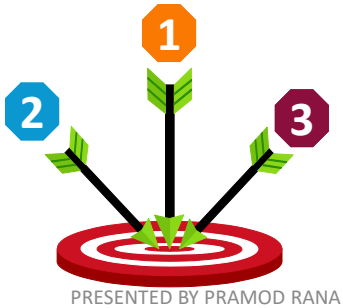


मिश्रित विरासत
कुल-1

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश में विश्व विरासत स्थल

**सांस्कृतिक धरोहर स्थल**

- खजुराहो
- सांची
- भीमबेटका

**प्राकृतिक धरोहर स्थल**

**विश्व विरासत शहर**

- ग्वालियर
- ओरछा

PRESENTED BY PRAMOD RANA

➢ म.प्र. के 3 स्थलों को UNESCO की WORLD HERITAGE SITE में शामिल किया गया है, तीनों स्थल सांस्कृतिक विरासत के तहत आते हैं।

1) खजुराहो (शामिल - 1986)

2) सांची (शामिल - 1989)

3) भीमबैटका (शामिल - 2003)

PRESENTED BY PRAMOD RANA

UNESCO

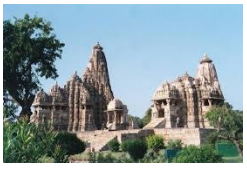

## 1 - खजुराहो के मंदिर

- खजुराहो समूह स्मारक मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित है।
- खजुराहो को 1986 ई. में UNESCO की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- निर्माण:-चंदेल वंश द्वारा 950 से 1050 ईस्वी के बीच।
- यह मंदिर नागर शैली में बने हैं।

- वर्ष 1838 में ब्रिटिश इंजीनियर टीएस बर्ट ने खजुराहो के मंदिरों की खोज की थी।
- ऐतिहासिक अभिलेखों में दावा किया गया है कि खजुराहो मंदिरों के स्थान पर 12 वीं शताब्दी तक 85 मंदिर थे, इनमें से 20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हुए, वर्तमान में केवल 25 मंदिर बच गए हैं।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

UNESCO

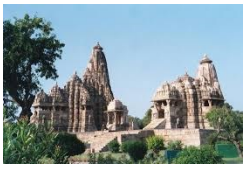

## 1 - खजुराहो के मंदिर

- खजुराहो के मंदिरों को जटकरी मंदिर भी कहा जाता है।
- इतिहास में इन मंदिरों का सबसे पहला जो उल्लेख मिलता है, वह अबू रिहान अल बरूनी (1022 ईसवी) तथा अरब मुसाफ़िर इब्नबतूता का है।
- खजुराहो के मंदिर जैन धर्म तथा हिन्दु धर्म (वैष्ण व शैव) से संबंधित है।
- सामान्य रूप से यहां के मंदिर बलुआ पत्थर से निर्मित किए गए हैं, लेकिन चौंसठ योगिनी, ब्रह्मा तथा ललगुआँ महादेव मंदिर ग्रेनाइट (कणाष्म) से निर्मित हैं।
- खजुराहों में देश का पहला हीरा संग्रहालय खुलने जा रहा है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## खजुराहो मंदिर

### पश्चिमी समूह

- कंदरिया महादेव मंदिर – भगवान शिव को समर्पित व सबसे बडा मंदिर (विद्याधर ने बनवाया)
- विश्वनाथ मंदिर
- मतंगेश्वर मंदिर - भगवान शिव को समर्पित (हर्षवर्मन ने बनवाया)
- चौंसठ योगिनी मंदिर – महाकाली को समर्पित (खजुराहो का सबसे प्राचीन मंदिर)
- लक्ष्मण मंदिर – बैकुंठ जी की मूर्ति (यशोवर्मन ने बनवाया)
- चित्रगुप्त मंदिर – सूर्य भगवान को समर्पित
- लक्ष्मी मंदिर, पार्वती मंदिर
- वराह मंदिर, सिंह मंदिर, नन्दी मंदिर,

### दक्षिण समूह

- दुल्हादेव मंदिर – भगवान शिव को समर्पित
- चतुर्भुज मंदिर
- वैधनाथ मंदिर

### पूर्वी समूह

- पार्श्वनाथ मंदिर
- आदिनाथ मंदिर
- जवारी मंदिर
- शांतिनाथ मंदिर
- घंटाई मंदिर

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## 2 - सांची स्तूप

**UNESCO**

- सांची स्तूप मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में स्थित है।
- सांची स्तूप की खोज सन् 1818 ई. में जनरल टेलर ने की थी।
- प्राचीन नाम – बौद्धश्री पर्वत, काकणाय, काकणादबाट, चेतियागिरी।
- सांची को 1989 ई. में UNESCO की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- सांची को बुद्ध जगत की पवित्र नगरी कहा जाता है।
- इसका निर्माण ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में सम्राट अशोक ने करवाया था।
- कनिंघम ने 1854 ई. में मुख्य संरचना के निकट क्षेत्रों में 60 स्तूपों की खोज की।
- 1936 ई. में मोहम्मद कुरैशी ने बौद्ध विहार की खोज की।
- सांची में 3 स्तूप विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं, जिनमें एक विशाल स्तूप (महास्तूप), तथा दो छोटे स्तूप हैं।
- भोपाल की बेगमों (शाहजहां बेगम और के. खुसरो जहां बेगम) ने भी इसे संरक्षित करवाया।
- महास्तूप – गौतम बुद्ध के दांत। दूसरे स्तूप- अशोक के समय धर्म प्रचारकों की जानकारी। तीसरे स्तूप- सारिपुत्र और महामोग्लायन की अस्थियों के अवशेष।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

UNESCO

## 3 - भीमबेटका की गुफाए

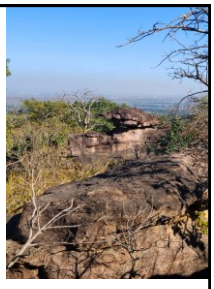

- भीमबेटका, मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के अब्दुल्लागंज में स्थित है।
- भीमबेटका की खोज विष्णु वाकणकर ने सन् 1957-58 में की थी।
- 1990 ई. में भीमबेटका को राष्ट्रीय महत्व का स्थल घोषित किया।
- भीमबेटका की गुफाओं को 2003 ई. में UNESCO की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- भीमबैठिका में आदिमानव के साक्ष्य प्राप्त हुए है।
- इन गुफाओं में 16 रंगों का प्रयोग हुआ है, जिनमें सबसे अधिक सफेद व लाल रंगों का प्रयोग हुआ है।
- भीमबेटका की गुफाएं रातापानी अभ्यारण के अंतर्गत आती है।
- इनमें प्रमुख रूप से 15 गुफा शैलाश्रय है, जिनमें से शैलाश्रय नं.-4 को विष्णु वाकणकर ने चिडियाघर कहा है।

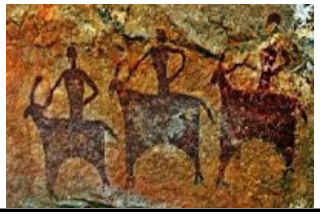

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्य प्रदेश का सामान्य ज्ञान

संभावित प्रश्न

| अति लघु उत्तरीय | लघु उत्तरीय | दीर्घ उत्तरीय |
|---|---|---|
| म.प्र. के चारों ओर स्थित राज्यों के नाम बताएं तथा राज्य का अक्षांशीय और देशान्तरीय विस्तार लिखें। (2016) | म.प्र. के प्रमुख रामसर स्थलों के बारे में विस्तार पूर्वक बताइए। | |
| कर्क रेखा से गुजरने वाले म.प्र. के जिले | कर्क रेखा म.प्र. की जलवायु को किस तरह प्रभावित करती है। | |
| म.प्र. की अक्षांशीय और देशान्तरीय स्थिति | | |
| म.प्र. के उन जिलों के नाम बताइए जो दो राज्यों की सीमा को छूते हैं। | | |
| म.प्र. का राजकीय पक्षी | | |
| भीमबैटका को किस वर्ष विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। (2022) | | |

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान

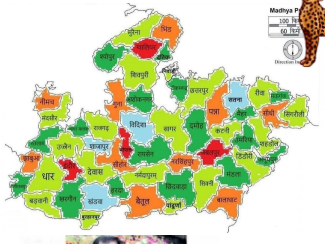

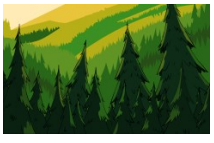

PRESENTED BY PRAMOD

# मध्य प्रदेश का पुनर्गठन

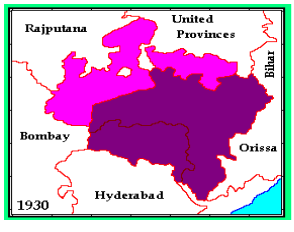


Central Provinces & Berar
Central India

individual princely states not shown;

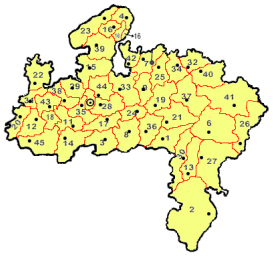

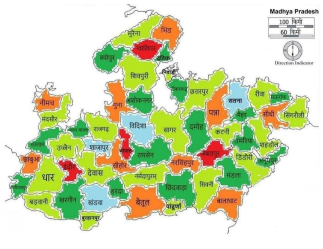

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- म.प्र. देश के मध्य में स्थित है, इसलिए इसे 'हृद्य प्रदेश' भी कहा जाता है।
- प्रदेश को 'मध्यप्रदेश' नाम पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिया।

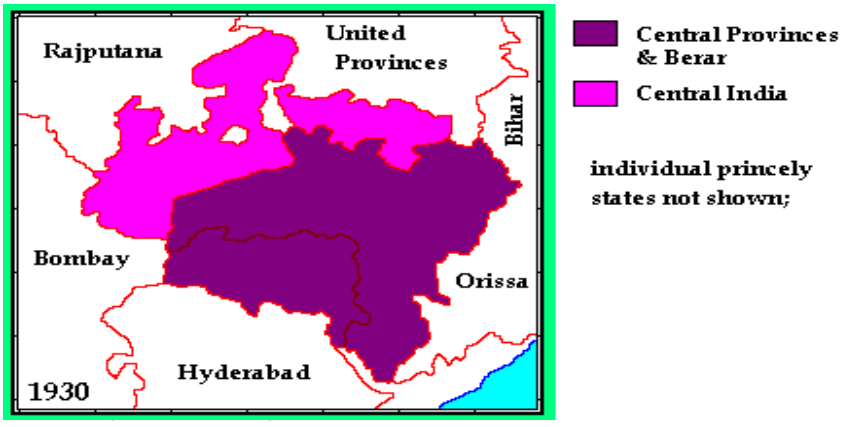


## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- 1739 ईस्वी में गोंड के राजा "चंद सुल्तान" की मृत्यु के बाद में नागपुर के शासक राघोजी भौंसले ने गोंडवाना पर आक्रमण करके अपने कब्जे में कर लिया।
- 11 मार्च 1818 ई. को ब्रिटिश कंपनी सरकार ने सागर-नर्मदा टेरिटरी को अपने पास लेकर गठन किया तथा सागर राज्य का विलय कर लिया।
- अंग्रेजों द्वारा 1853-54 में नागपुर (विदर्भ) को अपने अधीन करके म.प्र. पर अधिकार कर लिया गया।
- सागर, नर्मदा क्षेत्र और नागपुर प्रांत को मिलाकर 2 नवम्बर, 1861 को मध्यप्रांत बना, जिसे C.P. भी कहा गया।
- सेन्ट्रल प्रोविंस:- 2 नवम्बर, 1861 को स्थापित (उस समय भारतीय वायसराय – लॉर्ड कैनिंग)
- मध्यप्रांत के प्रशासन के लिए एक चीफ कमिश्नर नियुक्त किया गया।


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- 1864 ई. में निमाड क्षेत्र को मध्यप्रांत में सम्मिलित किया गया।
- 1867 ई. में तत्कालीन चीफ कमिश्नर रिचर्ड टेम्पल के प्रयासों से फरवरी, 1867 ई. में सिवनी, मंडला और भंडारा जिलों से भू-भाग लेकर बलाघाट जिला बनाया गया।
- 1903 ई. में हैदराबाद के निजाम से बरार को 25 लाख रू सलाना लीज पर ले लिया तथा बरार को मध्यप्रांत से जोड दिया गया।
- जलियावाला बाग हत्याकांड के विरोध में मध्यप्रांत से वायसराय की कार्यकारिणी से इस्तीफा दिया – शंकर नारायण व विष्णुदत्त शुक्ल
- 1919 ई. में भारत शासन अधिनियम के तहत 1921 ई. में मध्यप्रांत के प्रशासन के लिए चीफ कमिश्नर की जगह गवर्नर की नियुक्ति की गई।
- नोट- अब तक बरार प्रशासनिक रूप से मध्यप्रांत में नहीं था।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- निजाम से समझौते के बाद बरार पुरी तरह ब्रिटिश सरकार के हाथ में आ गया।
- सेन्ट्रल प्रोविंस और बरार:- 24 अक्टूबर 1936 में बना
- म.प्र. को ब्रिटिश काल में 'सेन्ट्रल प्रोविंस' और 'बरार' नाम से जाना जाता था।
- 1937 ई. के प्रांतीय चुनाव में मध्यप्रांत के प्रधानमंत्री – एन.बी. खरे। एन.बी.खरे के इस्तीफा देने के कारण रविशंकर शुक्ल को मध्य प्रांत का प्रधानमंत्री बनाया गया।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

➢ स्वतंत्रता के समय से मध्यप्रदेश नाम से कोई राज्य अस्तित्व में नहीं था।

1947 से पहले का भारत

1956 में भारत

PRESENTED BY PRAMOD RANA

1956 के बाद का भारत

वर्तमान का भारत



➢ 1947 में राज्यों की जो श्रेणियां बनी थी।

✓ उनमें PART-A में सी.पी.बरार

✓ PART-B में मध्यभारत का प्रांत

✓ PART-C में विंध्य प्रदेश और भोपाल राज्य शामिल है।

# मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

✓ सी.पी. बरार का गठन बघेलखण्ड तथा छतीसगढ की छोटी-छोटी रियासतों को सम्मिलित करके किया गया था।

✓ सी.पी. बरार की राजधानी नागपुर थी, अत: म.प्र. गठन के पूर्व यही प्रदेश की राजधानी मानी जाती थी।

✓ सी.पी. बरार :- 1947 में सी.पी. बरार PART-A में शामिल राज्य था, जिसके अंतर्गत छ.ग., विदर्भ व महाकौशल शामिल थे। इसकी राजधानी नागपुर थी।

## विदर्भ

## सेन्ट्रल प्राविन्सेस एण्ड बरार विधान सभा

पूर्व में वर्तमान महाकौशल, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के बरार क्षेत्र को मिलाकर सेन्ट्रल प्राविन्सेस एण्ड बरार नामक राज्य अस्तित्व में था। राज्य पूनर्गठन के बाद महाकौशल और छत्तीसगढ़ का क्षेत्र यानी पूर्व मध्यप्रदेश (जिसे सेन्ट्रल प्राविन्सेस कहा जाता था) वर्तमान मध्यप्रदेश का भाग बना। तद्नुसार उस क्षेत्र के विधान सभा क्षेत्रों को भी वर्तमान मध्यप्रदेश के विधान सभा क्षेत्रों में शामिल किया गया।

पूर्व मध्यप्रदेश राज्य की विधानसभा का नागपुर स्थित भवन

(पूर्व मध्य प्रान्त राज्य की विधान सभा का नागपुर स्थित भवन)

Activate Windows
Go to Settings to acti

PART-A - सी.पी. बरार

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

राजधानी - नागपुर

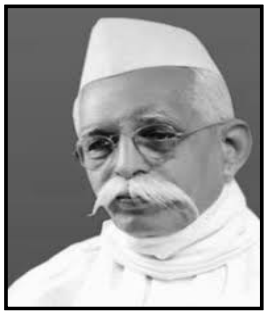

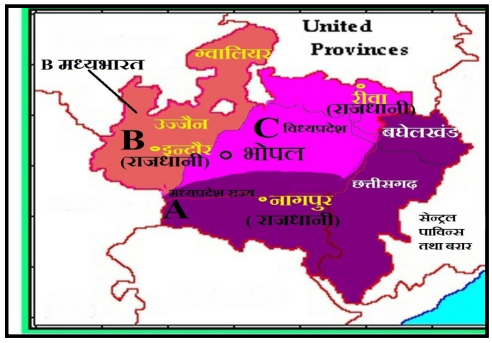


मुख्यमंत्री - पं. रविशंकर शुक्ल  राज्यपाल - ई. राघवेंद्रराव

- यह 15 रियासतों को मिलाकर बना।
- प्रशासनिक दृष्टि से इसको 5 सम्भागों व 22 जिलों में विभक्त किया गया।
- सेण्ट्रल प्रोविंस की एकमात्र रियासत मकड़ाई (हरदा) वर्तमान म.प्र. में है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

PART-B - मध्य भारत

राजधानी

इन्दौर
ग्रीष्मकालीन

ग्वालियर
शीतकालीन

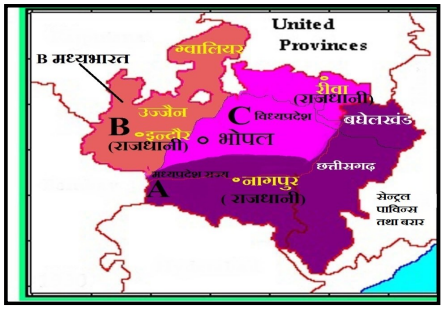


- ग्वालियर के प्रमुख जीवाजी राव सिंधिया को मध्य भारत का राजप्रमुख बनाया गया

- इंदौर के प्रमुख यशवंत राव होल्कर-2 को मध्य भारत का उपराजप्रमुख बनाया गया

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

**PART-B - मध्य भारत**

- 28 मई 1948 को PART-B में शामिल किया गया।
- इसमें कुल 16 जिले थे।

**मुख्यमंत्री**

1. लीलाधर जोशी
2. गोपीकृष्ण विजयवर्गीय
3. तखतमल जैन
4. मिश्री लाल गंगवाल (प्रथम निर्वाचन)
5. तखतमल जैन (म.प्र. के पुनर्गठन के समय मुख्यमंत्री)

**PART-B**

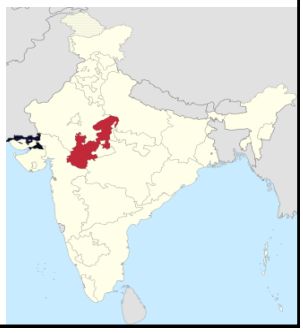

PRESENTED BY- RAMOD RANA

## मध्यभारत विधान सभा (ग्वालियर)

मध्यभारत इकाई की स्थापना ग्वालियर, इन्दौर और मालवा रियासतों को मिलाकर मई, 1948 में की गई थी। ग्वालियर राज्य के सबसे बड़े होने के कारण वहां के तत्कालीन शासक श्री जीवाजी राव सिंधिया को मध्यभारत का आजीवन राज प्रमुख एवं ग्वालियर के मुख्यमंत्री श्री लीलाधर जोशी को प्रथम मुख्यमंत्री बनाया गया। इस मंत्रीमण्डल ने 4 जून, 1948 को शपथ ली. तत्पश्चात् 75 सदस्यीय विधान सभा का गठन किया गया, जिनमें 40 प्रतिनिधि ग्वालियर राज्य के, 20 इन्दौर के और शेष 15 अन्य छोटी रियासतों से चुने गये। यह विधान सभा 31 अक्टूबर, 1956 तक कायम रही। सन् 1952 में संपन्न आम चुनावों में मध्यभारत विधान सभा के लिए 99 स्थान रखे गए, मध्यभारत को 59 एक सदस्यीय क्षेत्र और 20 द्विसदस्यीय क्षेत्र में बांटा गया। कुल 99 स्थानों में से 17 अ.जा. तथा 12 स्थान अ.ज.जा. के लिए सुरक्षित रखे गए।

मध्यभारत की नई विधान सभा का पहला अधिवेशन 17 मार्च, 1952 को ग्वालियर में हुआ। इस विधान सभा का कार्यकाल लगभग साढ़े-चार साल रहा। इस विधान सभा के अध्यक्ष श्री अ.स. पटवर्धन और उपाध्यक्ष श्री वि.वि. सर्वटे थे।

पूर्व मध्यभारत राज्य की विधानसभा का मोती महल, ग्वालियर स्थित भवन

(पूर्व मध्यभारत राज्य की विधान सभा का मोती महल, ग्वालियर स्थित भवन)

# मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

## PART-C – विन्ध्य प्रदेश

- राजधानी – रीवा  उपराजधानी – नौगांव (छतरपुर)
- बघेलखण्ड व बुंदलेखण्ड की 35 रियासतों को मिलाकर 4 अप्रैल 1948 को विन्ध्य प्रदेश का गठन किया गया।
- राजप्रमुख – मार्तण्ड सिंह जूदेव  तथा उपराजप्रमुख- यादवेंद्र सिंह (पन्ना)
- मुख्यमंत्री – कामता प्रसाद सक्सेना (बुंदेलखंड) व अवधेश प्रताप सिंह (बघेलखंड)
- जुलाई, 1948 में दोनों मंत्रिमंडलों को संयुक्त कर कप्तान अवधेश प्रताप सिंह को विंध्यप्रदेश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।
- तत्कालीन सरकार के इस्तीफे के बाद 1 मई 1949 को श्रीनाथ मेहता के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ




# मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

## PART-C – विन्ध्य प्रदेश

- 1 जनवरी 1950 से मुख्य आयुक्त – एन.बी. बेनर्जी
- प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री – 1952 में पण्डित शम्भूनाथ शुक्ला (शहडोल)।
- राज्यों के पुनर्गठन के समय मुख्यमंत्री – अवधेश प्रताप सिंह।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## विन्ध्य प्रदेश विधान सभा

4 अप्रैल, 1948 को विन्ध्यप्रदेश की स्थापना हुई और इसे "ब" श्रेणी के राज्य का दर्जा दिया गया। इसके राजप्रमुख श्री मार्तण्ड सिंह हुए। सन् 1950 में यह राज्य "ब" से "स" श्रेणी में कर दिया गया। सन् 1952 के आम चुनाव में यहां की विधान सभा के लिए 60 सदस्य चुनें गये, जिसके अध्यक्ष श्री शिवानन्द थे। 1 मार्च, 1952 से यह राज्य उप राज्यपाल का प्रदेश बना दिया गया। पं. शंभूनाथ शुक्ल उसके मुख्यमंत्री बने। विन्ध्यप्रदेश विधान सभा की पहली बैठक 21 अप्रैल, 1952 को हुई। इसका कार्यकाल लगभग साढ़े चार वर्ष रहा और लगभग 170 बैठकें हुई। श्री श्याम सुंदर 'श्याम' इस विधान सभा के उपाध्यक्ष रहे।

तत्कालीन विन्ध्यप्रदेश राज्य की विधानसभा का रीवा स्थित भवन

Activate W
Go to Setting

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- भोपाल स्टेट :- इसकी राजधानी भोपाल थी। यह PART-C में शामिल था।
- प्रारंभ में नवाब हमीदुल्लाह खान (चेम्बर ऑफ प्रिन्सेज के चांसलर भी थे) ने भारत संघ में विलय से इंकार कर दिया था।
- 1949 में जनता का दबाव बढने से सरदार जी के प्रयासों से 1 जून 1949 को भोपाल का भारत में विलय हुआ।
- 5 रियासतों को मिलाकर भोपाल राज्य बनाए गए व कुल 2 जिले बनाए गए।
- मुख्य आयुक्त- एन.बी. बनर्जी
- मुख्यमंत्री – शंकरदयाल शर्मा (1952 - 1956)

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## भोपाल विधान सभा

प्रथम आम चुनाव के पूर्व तक भोपाल राज्य केन्द्र शासन के अंतर्गत मुख्य आयुक्त द्वारा शासित होता रहा। इसे तीस सदस्यीय विधान सभा के साथ "स" श्रेणी के राज्य का दर्जा प्रदान किया गया था। तीस सदस्यों में 6 सदस्य अनुसूचित जाति और 1 सदस्य अनुसूचित जनजाति से तथा 23 सामान्य क्षेत्रों से चुने जाते थे। तीस चुनाव क्षेत्रों में से 16 एक सदस्यीय तथा सात द्विसदस्यीय थे।

प्रथम आम चुनाव के बाद विधिवत विधान सभा का गठन हुआ। भोपाल विधान सभा का कार्यकाल मार्च, 1952 से अक्टूबर, 1956 तक लगभग साढ़े चार साल रहा। भोपाल राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. शंकरदयाल शर्मा एवं इस विधान सभा के अध्यक्ष श्री सुल्तान मोहम्मद खां एवं उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल थे।

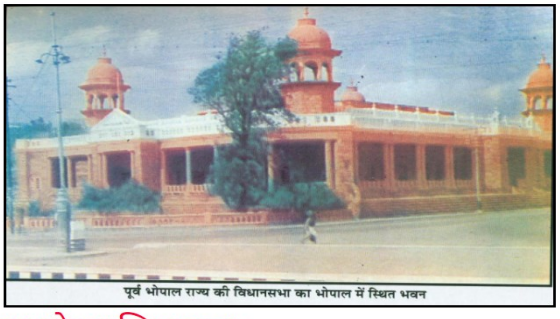

पूर्व भोपाल राज्य की विधानसभा का भोपाल में स्थित भवन

(पूर्व भोपाल राज्य की विधान सभा का भोपाल स्थित भवन)

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## राज्यों के पुनर्गठन से संबंधित प्रमुख समितियां

| प्रमुख समितियां | गठन वर्ष | रिपोर्ट वर्ष | प्रमुख सिफारिशें |
|---|---|---|---|
| मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में | 1928 | 1928 | इस समिति ने भाषा, जन-इच्छा, जनसंख्या, भौगोलिक और वित्तीय स्थिति को राज्य के गठन का आधार माना। |
| श्याम कृष्ण धर आयोग (S.K. DHAR) | जून, 1948 | दिसंबर, 1948 | धर आयोग ने भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का विरोध किया था। इसका मुख्य जोर प्रशासनिक सुविधाओं, भौगोलिक समीपता व आर्थिक एवं विकास को आधार बनाने पर था। |
| जेबीपी (JVP) आयोग (जवाहर लाल नेहरू, बल्लभभाई पटेल, पट्टाभि सीतारमैया) | दिसंबर, 1948 | अप्रैल, 1949 | इन्होंने इस बात को औपचारिक रूप से अस्वीकार किया कि राज्यों के पुनर्गठन का आधार भाषा होनी चाहिए। |
| फजल अली आयोग (फजल अली, के.एम. पणिक्कर और एच. एन. कुंजरू) | दिसंबर, 1953 | 1955 | इसने इस बात को व्यापक रूप से स्वीकार किया कि राज्यों के पुनर्गठन में भाषा को मुख्य आधार बनाया जाना चाहिये। लेकिन इसने 'एक राज्य एक भाषा' के सिद्धांत को अस्वीकार कर दिया। |

PRESENTED BY PRAMOD RANA

# मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

**फजल अली की अध्यक्षता में 1953 में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग की अनुशंसा पर 1 नवम्बर, 1956 को नवीन म.प्र. का गठन हुआ।**

**राज्य पुनर्गठन आयोग 1953 की सिफारिशों के आधार पर राज्य की समीओं में निम्न परिवर्तन किये गये:-**

1. Balaghat
2. Bastar
3. Betul
4. Bhind
5. Bhopal
6. Bilaspur
7. Chhatarpur
8. Chhindwara
9. Damoh
10. Datia
11. Dewas
12. Dhar
13. Durg
14. East Nimar
15. Guna
16. Gwalior
17. Hoshangabad
18. Indore
19. Jabalpur
20. Jhabua
21. Mandla
22. Mandsaur
23. Morena
24. Narsimhapur
25. Panna
26. Raigarh
27. Raipur
28. Raisen
29. Rajgarh
30. Raj Nandgaon
31. Ratlam
32. Rewa
33. Sagar
34. Satna
35. Sehore
36. Seoni
37. Shahdol
38. Shajapur
39. Shivpuri
40. Sidhi
41. Surguja
42. Tikamgarh
43. Ujjain
44. Vidisha
45. West Nimar

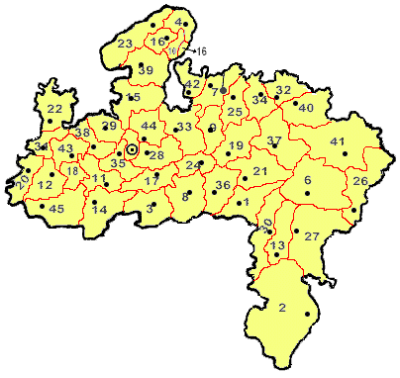



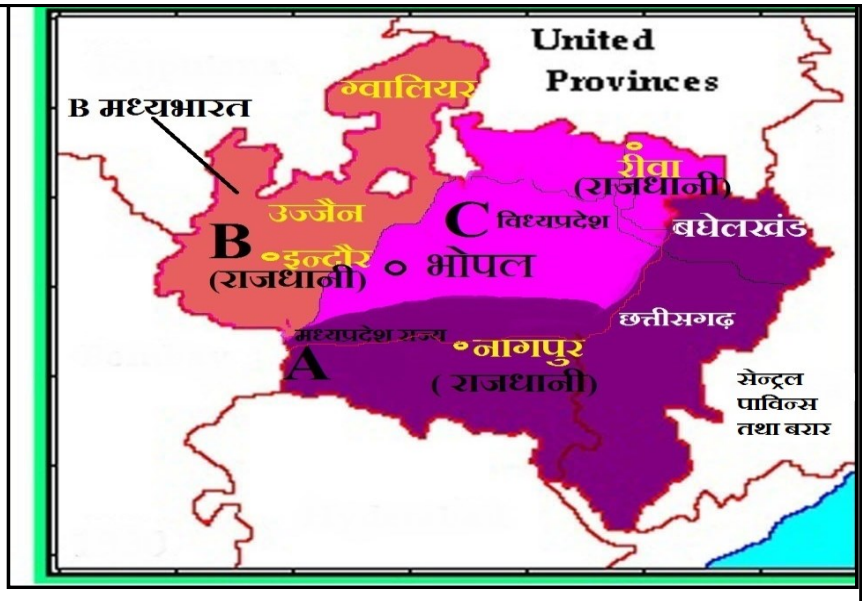

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- बुलढाना, अकोला, अमरावती, यवतमाल, वर्धा, नागपुर, भण्डारा, चांदा को तत्कालीन मुम्बई राज्य (महाराष्ट्र) में मिला दिया गया। शेष PART-A का भाग वर्तमान म.प्र. का भाग बना।
- मंदसौर जिले की भानपुरा तहसील के सुनील टप्पा को छोडकर शेष भाग को म.प्र. में मिला लिया गया।
- राजस्थान के कोटा जिले की सिरोंज तहसील को म.प्र. के विदिशा जिले में लाया गया।
- शेष PART-B का हिस्सा वर्तमान म.प्र. का अंग है।
- PART-C विंध्यप्रदेश का पूरा-पूरा भाग वर्तमान म.प्र. में मिलाया गया।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- भोपाल राज्य भी वर्तमान म.प्र. का अंग बना।
- नवीन म.प्र. की राजधानी भोपाल को बनाया गया, जो पूर्व में सीहोर जिले की एक तहसील थी।
- नवनिर्मित म.प्र. में 7 या 8 संभाग तथा 43 जिले थे।

- सन् 1956 से 1960 तक म.प्र. 6 राज्यों की सीमा को छुता था।
- उ.प्र., राजस्थान, बंबई, आंध्र प्रदेश, उडीसा, बिहार
- सन् 1960 से 2000 तक म.प्र. 7 राज्यों की सीमा को छुता था।
- उ.प्र., राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, उडीसा, बिहार
- 1956 में कुल क्षेत्रफल – 443446 वर्ग कि.मी. (क्षेत्रफल के अनुसार सबसे बडा राज्य)

1956 के बाद का भारत

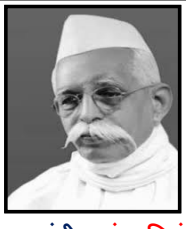
प्रथम मुख्यमंत्री - पं. रविशंकर शुक्ल

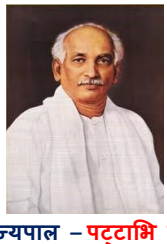
प्रथम राज्यपाल – पट्टाभि सीतारमैया

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- राजधानी, भोपाल को ही क्यों बनाया गया।

➢ राजधानी बनाने के लिए सबसे पहले ग्वालियर व इंदौर का नाम गुंज रहा था ।

➢ राज्य पुनर्गठन आयोग ने जबलपुर का नाम सुझाया।

➢ परंतु व्यवस्था चलाने के लिए भोपाल में भवनों की अधिकता थी। साथ ही साथ भोपाल के नवाब भी भोपाल को पहले भारत में शामिल नहीं करना चाहते थे।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

उत्तरी जिला- मुरैना

पूर्वी जिला- जशपुर

1127 km

पश्चिमी जिला- अलीराजपुर

वर्तमान के अनुसार - अलीराजपुर

1956 के अनुसार - झाबुआ

996 km

दक्षिणी जिला- सुकमा

वर्तमान के अनुसार- सुकमा

1956 के अनुसार- दंतेवाडा

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

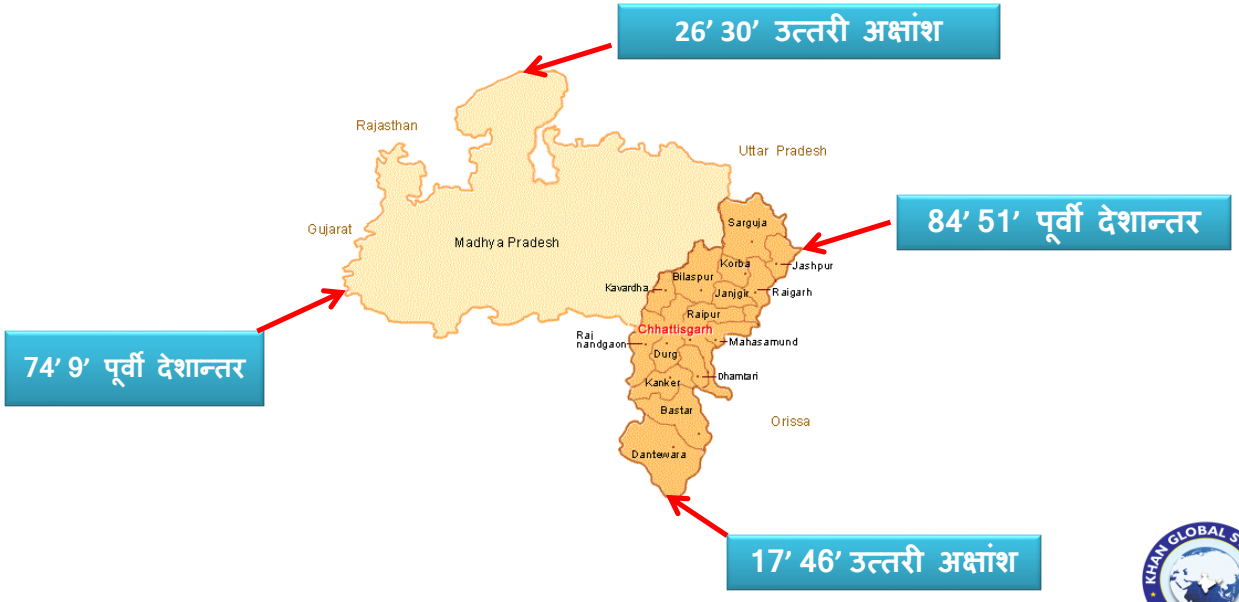


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

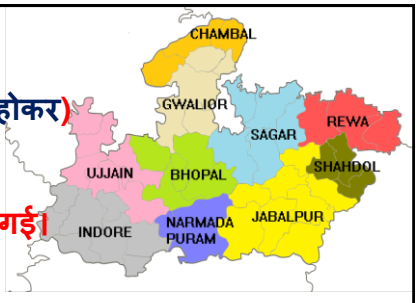


- 20 अक्टूबर, 1972 को सागर संभाग बना। (रीवा संभाग से अलग होकर)
- 2 अक्टूबर, 1972 दो नये जिले बने और जिलों की संख्या 45 हो गई।
  - भोपाल (सीहोर जिले की तहसील था) (भोपाल में 2 तहसील – हुजुर व बैरसिया जुडी।)
  - राजनांदगांव (दुर्ग जिले से पृथक होकर)

इस समय

➢मुख्यमंत्री – प्रकाश चंद्र सेठी राज्यपाल – सत्यनारायण सिन्हा

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- 1980 को चंबल संभाग बना। (ग्वालियर संभाग से अलग होकर)
- 1980 को बस्तर संभाग बना।
- 1980-81 (कहीं पर 1971 है) को होशंगाबाद संभाग बना। (भोपाल संभाग से अलग होकर)
- नोट- होशंगाबाद संभाग का नाम 2008 में नर्मदापुरम संभाग कर दिया गया।
- नोट- होशंगाबाद जिले का नाम फरवरी 2022 में नर्मदापुरम कर दिया गया।



## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

➢ बी.आर. दुबे की अध्यक्षता में गठित जिला पुनर्गठन आयोग (1982-83) की अनुशंसा पर 25 मई, 1998 को 10 नये जिले बने, उनमें से 4 जिले वर्तमान मध्यप्रदेश के हिस्से में है।

- ✓ जो चार जिले मध्यप्रदेश में रहे उनमें :-
- ✓ बडवानी (पश्चिमी निमाड यानि खरगोन)
- ✓ श्योपुर (मुरैना)
- ✓ डिण्डोरी (मण्डला)
- ✓ कटनी (जबलपुर)

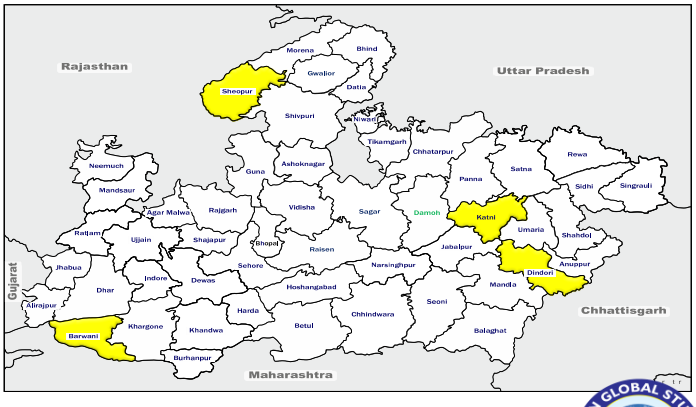

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

➢ तत्पश्चात 30 जून, 1998 को सिंहदेव समिति की अनुशंसा पर 6 नवीन जिले जुलाई, 1998 को बनाए गए।

➢ जुलाई, 1998 में बनाये गये जिलों में से 3 जिले वर्तमान मध्यप्रदेश में शामिल है।

✓ हरदा (होशंगाबाद)

✓ उमरिया (शहडोल)

✓ नीमच (मंदसौर)

मुख्यमंत्री – दिग्विजय सिंह

इस समय

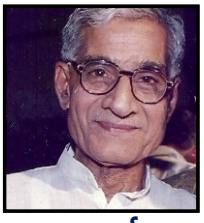

राज्यपाल – भाई महावीर

➢ इन्हें मिलाकर म.प्र. में 12 संभाग तथा जिलों की संख्या 61 हो गई।



## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

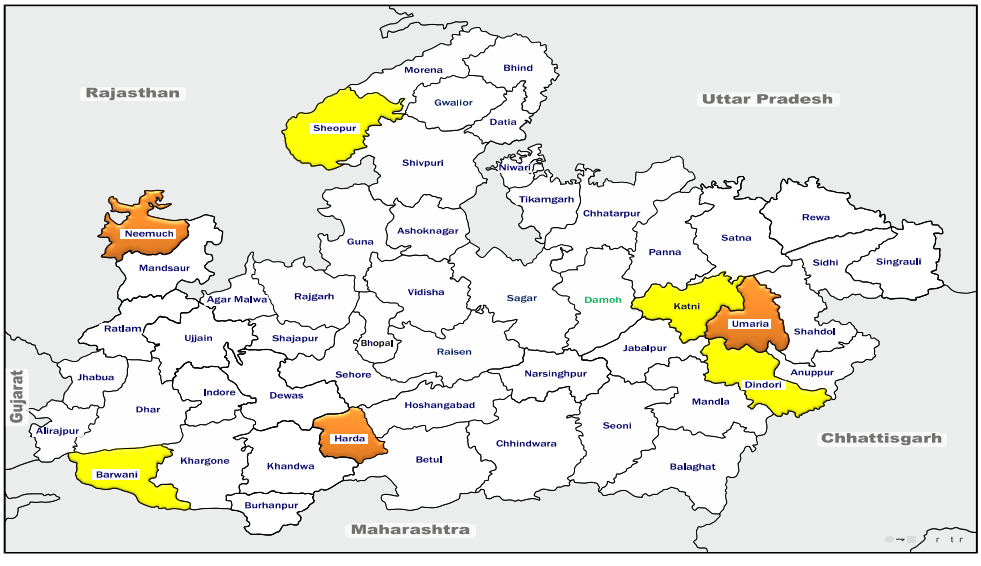


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## Reorganisation of Madhya Pradesh

**Madhya Pradesh State Reorganization Bill, 2000**

- Passed by Lok Sabha – 31 July 2000
- Passed by Rajya Sabha – 9 August 2000
- Approved by Lok Sabha – 25 August 2000
- Formation of Chhattisgarh – 1 November 2000

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

1 नवम्बर 2000 को म.प्र. से छतीसगढ के अलग होने से 3 संभाग 16 जिले नवीन राज्य में चले गये और म.प्र. में पुन: 9 संभाग तथा जिलों की संख्या 45 हो गई।

मुख्यमंत्री – दिग्विजय सिंह

इस समय

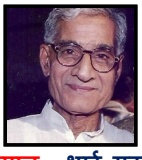

राज्यपाल – भाई महावीर

प्रधानमंत्री –अटल बिहारी वाजपेयी

राष्ट्रपति – के.आर. नारायणन

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- छतीसगढ भारत का 26वां राज्य बना।
- म.प्र. में 9 संभाग तथा जिलों की संख्या 45 हो गई।
- म.प्र. का क्षेत्रफल 308252 वर्ग कि.मी. रह गया।
- सन् 2000 के बाद म.प्र. क्षेत्रफल के अनुसार दूसरा बडा राज्य बन गया। (पहला- राजस्थान)
- छतीसगढ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी व प्रथम राज्यपाल दिनेश नन्दन सहाय बने।
- टिन और लौह उत्पादन के मामले में छतीसगढ प्रथम स्थान पर है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- 15 अगस्त 2003 को बोस समिति की सिफारिश के आधर पर 3 नए जिले बने।
  - ✓ बुराहनपुर (खण्डवा से)
  - ✓ अनूपपुर (शहडोल से)
  - ✓ अशोकनगर (गुना से) का गठन किया।

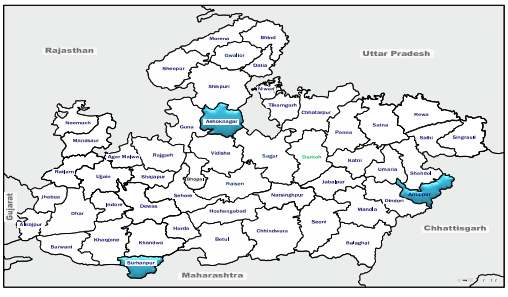


- जिससे प्रदेश में 9 संभाग जिलों की संख्या 48 हो गई।

मुख्यमंत्री – दिग्विजय सिंह

इस समय

राज्यपाल – राम प्रकाश गुप्ता

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- 17 मई 2008 में प्रदेश सरकार द्वारा अलीराजपुर (झाबुआ से) को जिला बनाया गया।
- 24 मई 2008 में सिंगरौली (सीधी) को जिला बनाया गया।
- प्रदेश में जिलों की संख्या 50 हो गई ।
- 14 जून 2008 को 4 जिलों – शहडोल, उमरिया, डिंडौरी व अनुपपुर को मिलाकर शहडोल संभाग, 10वां संभाग बना, बाद में डिंडौरी को जबलपुर संभाग में मिला दिया गया।

इस समय

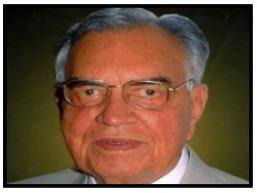

मुख्यमंत्री – शिवराज सिंह चौहान

राज्यपाल – बलराम जाखड

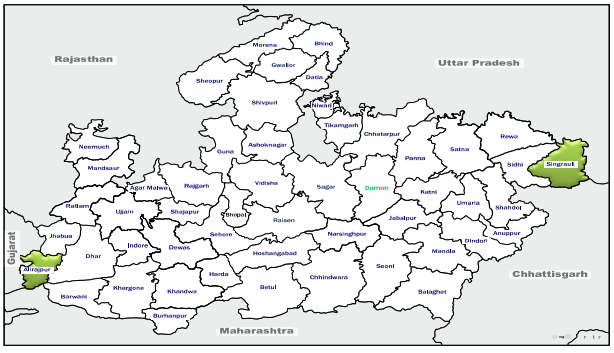


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मध्यप्रदेश का पुनर्गठन

- मध्यप्रदेश सरकार ने 16 अगस्त 2013 में शाजापुर जिले से पृथक कर आगर-मालवा नाम से एक नया जिला गठित किया।

इस समय

मुख्यमंत्री – शिवराज सिंह चौहान

राज्यपाल – श्री रामनरेश यादव

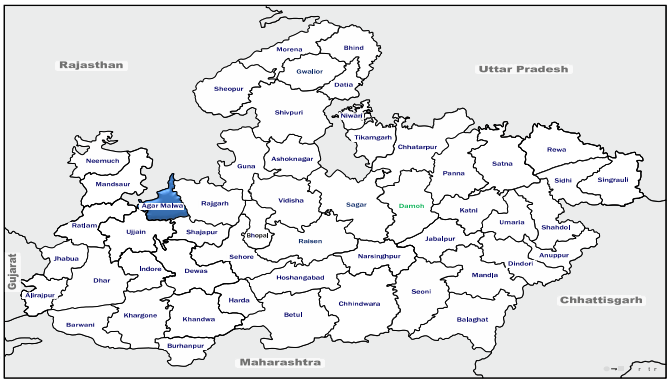


PRESENTED BY PRAMOD RANA

01 अक्टूबर 2018 को मध्यप्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड अंचल के टीकमगढ जिले को विभाजित कर निवाडी को मध्यप्रदेश का 52वां जिला के रूप में गठित किया। निवाडी जिले की संक्षिप्त जानकारी इस प्रकार है-

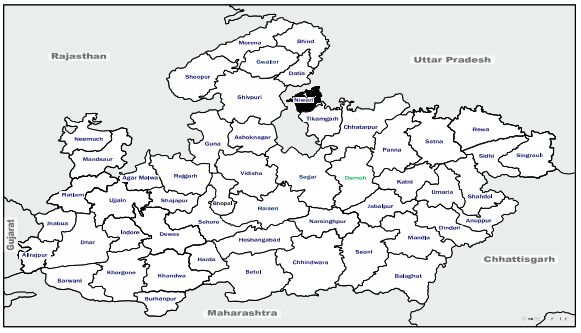


- मध्यप्रदेश का 52वां जिला – निवाडी
- निवाडी जिला के गठन की तिथि – 1 अक्टूबर 2018
- सम्मिलित विधानसभा सीट- 2 (निवाडी, ओर पृथ्वीपुर)
- सम्मिलित तहसीलें – 3 (निवाडी, ओरछा, पृथ्वीपुर)
- यह जिला उ.प्र. की सीमा को छूता है।
- निवाडी जिला सागर संभाग में आता है। (वर्तमान में- सागर संभाग में 6 जिले आते हैं। )



- नवगठित निवाडी जिला मध्यप्रदेश का वर्तमान में क्षेत्रफल के आधार पर सबसे छोटा जिला है।
- निवाडी का क्षेत्रफल - 1 लाख 31 हजार 745 हेक्टेयर या 1318 वर्ग किलोमीटर
- जनसंख्या - घोषणा के समय 4 लाख 1 हजार मान्य
- तहसीलों की दृष्टि से सबसे छोटा जिला।
- निवाडी जिले का प्रमुख औद्योगिक केंद्र - प्रतापपुरा।
- प्रमुख नदी - बेतवा
- प्रसिद्ध पर्यटन स्थल - ओरछा

मुख्यमंत्री – शिवराज सिंह चौहान

इस समय

राज्यपाल – आनंदी बेन पटेल

## मऊगंज जिला

- मऊगंज जिला, मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 (क्रमांक 20 सन 1959) की धारा-13 की उपधारा (2) के तहत बनाया गया।
- मऊगंज जिले की अधिसूचना 13 अगस्त 2023 को जारी की गई और यह 15 अगस्त 2023 से अस्तित्व में आ गया है, यह म.प्र. का 53वां जिला है।
- नये जिले में रीवा जिले की तीन तहसीलें- मऊगंज, नईगढ़ी और हनुमना शामिल हैं, इसमें नवीन तहसील के देवतालाब के गांव भी शामिल हैं।
- जनसंख्या: 6,16,645
- क्षेत्रफलः 1,86,688 हेक्टेयर

मुख्यमंत्री – शिवराज सिंह चौहान

इस समय

राज्यपाल – मंगुभाई पटेल

PRESENTED BY PRAMOD RANA

- इसका आकार देखने में उल्टे यकृत (जिगर) के जैसा होने के कारण विंध्य क्षेत्र के युवा साहित्यकार एवं मध्यप्रदेश विशेषज्ञ डॉ. लालबिहारी कुशवाहा ने मऊगंज को 'मध्यप्रदेश का जिगर' नाम दिया है।
- मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गिरीश गौतम की विधानसभा सीट देवतालाब भी अब मऊगंज जिले के अंतर्गत आ गई है।
- प्रमुख पर्यटन स्थल - बहुती जलप्रपात (म.प्र. का सबसे ऊंचा जलप्रपात)
- पहले कलेक्टर - अजय श्रीवास्तव
- पहले एस.पी. - वीरेंद्र जैन

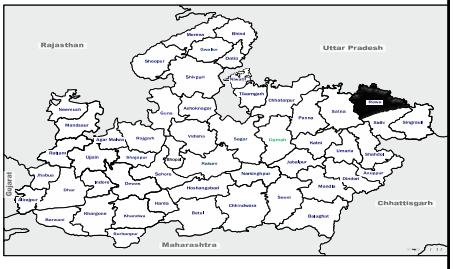


PRESENTED BY PRAMOD RANA

## पांढुर्ना जिला

- पांढुर्ना जिला, मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 (क्रमांक 20 सन 1959) की धारा-13 की उपधारा (2) के तहत बनाया गया।
- स्थापना- 5 अक्टूबर 2023
- यह म.प्र. का 54वां जिला है।
- प्रमुख तहसीलें- पांढुर्ना, और सौंसर
- पर्यटन स्थल- गोटमार मेला और हनुमान लोक

मुख्यमंत्री – शिवराज सिंह चौहान

इस समय

राज्यपाल – मंगुभाई पटेल

PRESENTED BY PRAMOD RANA

## मैहर जिला

- मैहर जिला, मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 (क्रमांक 20 सन 1959) की धारा-13 की उपधारा (2) के तहत बनाया गया।
- स्थापना- 5 अक्टूबर 2023
- यह म.प्र. का 55वां जिला है।
- प्रमुख तहसीलें- अमरपाटन, रामनगर और मैहर
- पर्यटन स्थल- मां शारदा मंदिर, मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी, गिद्धराज पर्वत

मुख्यमंत्री – शिवराज सिंह चौहान

इस समय

राज्यपाल – मंगुभाई पटेल

PRESENTED BY PRAMOD RANA

वर्तमान समय मे मध्यप्रदेश में कुल 10 संभाग एवं 55 जिले है:-

1. जबलपुर (9) - जबलपुर, नरसिंहपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्ना
2. इंदौर (8)- धार, इंदौर, अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन, बुराहनपुर, खंडवा
3. उज्जैन (7)- उज्जैन, रतलाम, देवास, मंदसौर, शाजापुर, नीमच, आगर मालवा
4. सागर (6)- सागर, दमोह, छत्तरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी
5. ग्वालियर (5)- ग्वालियर, शिवपुरी, अशोकनगर, गुना, दतिया
6. भोपाल (5)- भोपाल, सीहोर, विदिशा, रायसेन, राजगढ़
7. रीवा (6)- रीवा, सीधी, सतना, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर
8. चम्बल (3)- श्योपुर, भिंड, मोरेना
9. शहडोल (3)- उमरिया, शहडोल, अनूपपुर
10. नर्मदापुरम (3)- होशंगाबाद (नर्मदापुरम), बैतूल, हरदा



## मध्य प्रदेश का पुनर्गठन

संभावित प्रश्न

| अति लघु उत्तरीय | लघु उत्तरीय | दीर्घ उत्तरीय |
|---|---|---|
| भोपाल राज्य | म.प्र. के पुनर्गठन के बारे में विवरण दीजिए। (2020) | |
| भीमबैटका | स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् गठित ''मध्यभारत राज्य की भौगोलिक स्थिति पर प्रकाश डालिए। (2019) | |
| सांची | म.प्र. के विश्व धरोहर स्थलों का संक्षेप में विवरण दीजिए।(2019) | |
| जीवाजी राव सिंधिया | स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् गठित ''विंध्यप्रदेश राज्य की भौगोलिक स्थिति पर प्रकाश डालिए। | |
| खजुराहो | स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् गठित ''भोपाल राज्य की भौगोलिक स्थिति पर प्रकाश डालिए। | |
| मध्य प्रांत सरकार (2023) | | |

# मध्य प्रदेश का पुनर्गठन

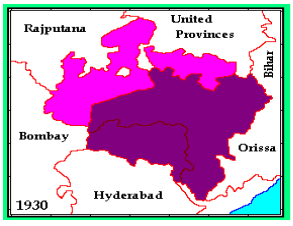

1. Balaghat
2. Bastar
3. Betul
4. Bhind
5. Bhopal
6. Bilaspur
7. Chhatarpur
8. Chhindwara
9. Damoh
10. Datia
11. Dewas
12. Dhar
13. Durg
14. East Nimar
15. Guna
16. Gwalior
17. Hoshangabad
18. Indore
19. Jabalpur
20. Jhabua
21. Mandla
22. Mandsaur
23. Morena
24. Narsimhapur
25. Panna
26. Raigarh
27. Raipur
28. Raisen
29. Rajgarh
30. Raj Nandgaon
31. Ratlam
32. Rewa
33. Sagar
34. Satna
35. Sehore
36. Seoni
37. Shahdol
38. Shajapur
39. Shivpuri
40. Sidhi
41. Surguja
42. Tikamgarh
43. Ujjain
44. Vidisha
45. West Nimar

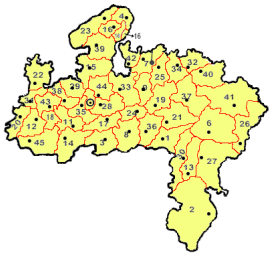

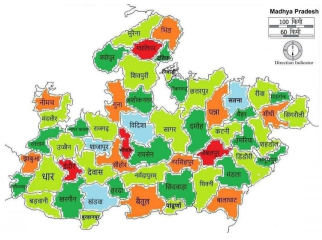

PRESENTED BY PRAMOD RANA